News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-152
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शुक्रवार 06 सितम्बर 2024

आज का विचार

गरीबी आपको दुखी और बुद्धिमान बनाती है।

हरतालिका तीज की हार्दिक शुभकामनाएं

शिक्षक दिवस पर शर्मसार शिक्षा के मंदिर

जबलपुर के सरकारी कॉलेज में चिंताजनक मामला: पुलिसकर्मी बनकर छात्राओं को धमकी दे रहा गिरोह, छात्राओं ने की शिकायत तो मचा हड़कंप

70 छात्राओं को अश्लील वीडियो भेजकर ब्लैकमेलिंग

जबलपुर। जबलपुर में गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज की 70 छात्राओं से ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आया है। छात्राओं के मोबाइल फोन पर अश्लील वीडियो भेजे गए। वीडियो से छात्राओं को संबंध जोड़ने की धमकी देकर ब्लैकमेलिंग की जाती थी। आरोपी खुद को पुलिसकर्मी बताते थे। गिरोह के सदस्य पुलिसकर्मी बनकर छात्राओं से बात करते थे। जानकारी के अनुसार, मानकुंवर बाई कॉलेज की 70 छात्राएं इस गिरोह की शिकार हुई हैं। 53 छात्राओं ने डरकर गिरोह को पैसे भी भेज दिए थे। कॉलेज के प्रिंसिपल ने कहा कि शिकायत से गुरुवार को मामला संज्ञान में आया है। जबलपुर के मदन महल थाना पुलिस में मामले की शिकायत की गई है। साइबर सेल की मदद से जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, कॉलेज की 70 से ज्यादा छात्रों को वाट्सएप पर अश्लील वीडियो और मैसेज भेजे जा रहे हैं। गुरुवार को छात्रों ने इसकी शिकायत कॉलेज प्रबंधन और पुलिस से की है। सभी छात्राएं फर्स्ट से लेकर फाइनल ईयर की हैं। छात्राओं के मुताबिक उनके वाट्सएप पर गंदे वीडियो और मैसेज किए जा रहे हैं। इसके बाद से उनके पास किसी शख्स का वॉइस और वीडियो कॉल भी लगातार आ रहा है। इस मामले की जानकारी लगते ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्र-छात्राओं को कॉलेज और थाने लेकर पहुंचे। छात्रों ने यहां बताया कि 70 से अधिक छात्राओं को अश्लील वीडियो और फोटो भेजे गए। इस पूरे मामले की शिकायत जबलपुर कलेक्टर एसपी महिला थाने और मदन महल थाने में लिखित दी गई है।

50 से ज्यादा छात्राओं ने पैसे ट्रांसफर कर दिए

जानकारी के अनुसार, 50 से अधिक छात्राओं ने आरोपी के द्वारा बताए गए नंबर पर पैसे ट्रांसफर किए हैं। यह राशि 3 हजार से लेकर 20 हजार रुपए तक हो सकती है। आरोपी द्वारा दी गई धमकियों के कारण छात्राएं घबराकर पैसे ट्रांसफर कर रही हैं।

एक छात्रा का अनुभव

इस घटना के बारे में एक छात्रा ने बताया कि गुरुवार दोपहर को उसके पास भी कॉल आया। कॉल करने वाले ने अपना नाम गोरखपुर थाने में पदस्थ एसआई विक्रम गोस्वामी बताया और कहा कि उसके खिलाफ थाने में शिकायत आई है कि उसके नंबर से न्यूड वीडियो और फोटो भेजे गए हैं। आरोपी ने उसे जल्द पैसे ट्रांसफर करने की धमकी दी और कहा कि अन्यथा पुलिस उसके घर पर आ जाएगी। पुलिस और कॉलेज प्रशासन की प्रतिक्रिया

संदिग्ध मैसेज या कॉल पर ध्यान न दें

इस घटना ने साइबर सुरक्षा और ऑनलाइन ठगी के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता को उजागर किया है। पुलिस और कॉलेज प्रशासन ने सभी छात्राओं को सलाह दी है कि वे किसी भी संदिग्ध मैसेज या कॉल पर ध्यान न दें और तुरंत शिकायत दर्ज कराएं।

कॉलेज प्रबंधन और पुलिस की प्रतिक्रिया

कॉलेज प्रबंधक, डॉ. संध्या चौबे ने कहा कि गुरुवार को ही छात्राओं की शिकायत सामने आई है। उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ छात्राएं डर के कारण पैसे भी दे चुकी हैं। डॉ. चौबे ने बताया कि इस पूरे घटनाक्रम की शिकायत जबलपुर कलेक्टर, एसपी, महिला थाने और मदन महल थाने में लिखित में दी गई है। पुलिस अब इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और यह भी जांच की जा रही है कि कैसे छात्राओं के मोबाइल नंबर फॉड तक पहुंचे।

छात्राओं के व्यक्तिगत नंबर आरोपी तक कैसे पहुंचे

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी की पहचान के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। इसके अलावा, यह भी पता लगाया जा रहा है कि कैसे और किस माध्यम से छात्राओं के व्यक्तिगत नंबर आरोपी के पास पहुंचे। साइबर सुरक्षा की दिशा में पुलिस ने सभी संभावित पहलुओं पर ध्यान देने का आश्वासन दिया है। वहीं कांग्रेस विधायक विक्रांत भूरिया ने कहा है कि यह मामला बेहद चिंताजनक है। प्रदेश में डर का माहौल बना हुआ है। सरकार और प्रशासन के स्पष्टीकरण देना चाहिए।

उज्जैन में फुटपाथ पर महिला से दरिंदगी शराब पिलाकर किया दुष्कर्म

धर्मनगरी फिर शर्मसार

उज्जैन। धर्मनगरी उज्जैन फिर शर्मसार हो गई। दरिंदे ने कोयला फाटक चौराहे के फुटपाथ पर महिला के साथ दुष्कर्म किया। किसी ने इस वारदात का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। घटना बुधवार की बताई जा रही है। गुरुवार को वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने संज्ञान लिया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। घटना के बाद कांग्रेस ने राज्य सरकार पर एक बार फिर तीखा हमला बोला है। मध्य प्रदेश कांग्रेस ने अपने एक्स हैंडल से पोस्ट करते हुए कहा, धर्मनगरी उज्जैन शर्मसार है। सत्ता में बैठे लोग शर्म से मरें या कुर्सी छोड़ दें। कांग्रेस ने राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं और इसे सरकार की नाकामी बताया है।

आरोपी ने फुटपाथ पर किया घिनौना काम

घटना के दौरान कोई व्यक्ति वहां से गुजर रहा था, जिसने इसका वीडियो बना लिया, लेकिन किसी ने आरोपी को रोकने की कोशिश नहीं की। कोयला फाटक उज्जैन का एक व्यस्त इलाका है, जहां चारक अस्पताल, पेट्रोल पंप और शराब की दुकान भी है। पुलिस ने राजीव नगर निवासी आरोपी लोकेश (28) पिता ओंकारलाल लहोरिया को गिरफ्तार कर लिया है। लोकेश मजदूरी और सब्जी बेचने का काम करता है। आरोपी को जेल भेज दिया है। पुलिस वीडियो बनाने वाले की तलाश कर रही है।

शराब पिलाकर बलात्कार, शादी का दिया झांसा

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह भिक्षा मांगकर अपनी जिंदगी चलाती है। आरोपी ने खुद को लोकेश बताया और उसे कोयला फाटक के पास शराब पिलाई। उसने महिला से शादी करने का वादा किया और फिर नशे की हालत में उसके साथ बलात्कार किया। घटना के बाद आरोपी ने उसे धमकाकर वहां से भाग निकला।

उज्जैन की छवि पर एक और दाग

कांग्रेस के राज्य अध्यक्ष जीतू पटवारी ने एक्स पर लिखा, धर्मनगरी उज्जैन एक बार फिर कलंकित हुई है। इस बार भी कानून व्यवस्था के माथे पर काला धब्बा लग गया है। कांग्रेस ने इस घटना को राज्य की सुरक्षा व्यवस्था पर एक और दाग बताया।

शिक्षक दिवस पर माटसाहब बन गए 'जल्लाद'

रतलाम में नशे में झूमते शिक्षक ने काटी छात्रा की चोटी

रतलाम। रतलाम जिले में गुरुवार को एक शिक्षक का वीडियो सामने आया है, जिसमें शिक्षक हाथ में कैंची लिए नशे में झूमते हुए अपशब्द कहते हुए नजर आ रहा है. पास में ही एक छात्रा खड़ी है, जो जोर-जोर से रोए जा रही है। मामला रावटी तहसील के सेमलखेड़ा गांव का है। जहां बुधवार की यह घटना बताई जा रही है। शिक्षक पर आरोप है कि वह शराब के नशे में धूत होकर स्कूल पहुंचा था। यह शिक्षक हाथ में कैंची लेकर कुछ बड़बड़ाता हुआ नजर आ रहा है। शिक्षक पर छात्र के बाल काटने का आरोप भी लगा है। वहीं मामला संज्ञान में आने के बाद सहायक आयुक्त आदिवासी कल्याण विभाग रंजना सिंह ने शिक्षक को निलंबित कर मामले की जांच के आदेश दिए हैं। दरअसल, सेमलखेड़ा सरकारी स्कूल का यह मामला है। जहां का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहे सहायक शिक्षक का नाम वीर सिंह मईडा है। वीडियो वायरल होने के बाद आदिवासी विभाग के सहायक आयुक्त ने शिक्षक को निलंबित कर जांच के आदेश दिए हैं। संकुल प्राचार्य और बीआरसी भी मामले कि जांच के लिए स्कूल पहुंचे। जांच करने पहुंचे अधिकारियों ने आसपास के लोगों से मामले की जानकारी लेकर बयान दर्ज किए हैं। वहीं स्कूली बच्चों से भी शिक्षक को लेकर चर्चा की गई है।

मर्यादाहीन व्यवहार और अपशब्दों के आरोप

वायरल हो रहे वीडियो के आधार पर शिक्षक पर आरोप है कि वह कैंची लेकर छात्रा की चोटी काट रहा था और उसे धमका भी रहा था। हालांकि विभाग के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि नहीं की है। निलंबन आदेश में शिक्षक पर मर्यादाहीन व्यवहार करने व अपशब्दों का उपयोग करने के आरोप लगाए गए हैं। बहरहाल आरोपी शिक्षक द्वारा किए गए मर्यादाहीन कार्य की वजह से शिक्षक दिवस के दिन ही उसे निलंबित करने की कार्रवाई की गई है। सहायक शिक्षक घटना के बाद से अवकाश पर चला गया है।

शिक्षक ने कहा- कोई कुछ नहीं कर सकता

स्कूल के पास रहने वाले गौतम ने यह वीडियो बनाया है। गौतम ने बताया कि उस वक्त मैं घर पर था। अचानक स्कूल के 5-6 बच्चों के चिल्लाने की आवाज सुनी। आकर देखा, तो टीचर वीर सिंह कैंची से बच्ची के बाल काट रहे थे। उनसे पूछा तो उन्होंने कहा कि ये लोग पढ़ाई नहीं करते हैं। मैं मोबाइल से वीडियो बनाने लगा, तो सर ने कहा कि वीडियो बनाना है, बना ले। कोई कुछ नहीं कर सकता।

अफसरों को दिखाई अपनी कटी हुई चोटी

कलेक्टर राजेश बाथम ने मामला सामने आने के बाद सहायक आयुक्त (आदिम जाति) रंजना सिंह को जांच के आदेश दिए थे। गुरुवार को आदिम जाति कल्याण विभाग के अधिकारी जांच के लिए पहुंचे। उन्होंने बच्ची के बयान भी लिए। इस दौरान पीड़ित बच्ची ने अफसरों को अपनी कटी हुई चोटी भी दिखाई।

स्कूल में पढ़ते हैं 50 विद्यार्थी

संकुल प्राचार्य (क्लस्टर प्रिंसिपल) संदीप जैन ने बताया कि यह स्कूल आदिम जाति कल्याण विभाग के तहत आता है। स्कूल में करीब 50 विद्यार्थी हैं। वीडियो गुरुवार सुबह संज्ञान में आया है। वरिष्ठ अधिकारियों को रिपोर्ट सौंप दी है। इसी रिपोर्ट के आधार पर टीचर को सस्पेंड कर दिया गया है।

फुल एक्शन में ईडी, संदीप घोष के 6 ठिकानों पर छापे, डेटा ऑपरेटर प्रसून चटर्जी के घर भी दबिश

कोलकाता । कोलकाता के मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही है। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार की सुबह संदीप घोष के 6 ठिकानों पर छापेमारी की। इसमें घोष का बेलीघाटा स्थित घर भी शामिल है। इसके अलावा, हावड़ा और सुभाषग्राम में दो ठिकानों की भी जांच की जा रही है। इसके साथ ही अस्पताल के डेटा ऑपरेटर प्रसून चटर्जी के ठिकानों पर भी ईडी अधिकारियों ने शुक्रवार की सुबह दबिश दी।। बता दें ट्रेनी डॉक्टर रेप और मर्डर केस सामने आने के बाद संदीप घोष मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों का सामना कर रहे हैं। इस मामले में सीबीआई भी जांच कर रही है। 13 अगस्त को कलकत्ता हाईकोर्ट ने RG कर रेप-मर्डर और वित्तीय अनियमितताओं की जांच सीबीआई को सौंपी थी। संदीप घोष की इस जांच के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है। 2 सितंबर को सीबीआई ने संदीप घोष को गिरफ्तार किया था और वह 8 दिन की सीबीआई हिरासत में हैं। संदीप घोष ने इस मामले में कोलकाता हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। बता दें कि कोलकाता हाईकोर्ट ने ही आरजी कर मेडिकल अस्पताल में हुई वित्तीय गड़बड़ी की जांच सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया था।

आईएमए ने रद्द की घोष की सदस्यता

पश्चिम बंगाल के स्वास्थ्य विभाग ने घोष को निलंबित कर दिया है। 28 अगस्त को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने भी संदीप घोष की सदस्यता रद्द कर दी थी। इसका सीधे तौर पर यह मतलब है कि संदीप घोष एक डॉक्टर के तौर पर प्रैक्टिस नहीं कर सकेंगे। IMA ने ट्रेनी डॉक्टर के रेप और मर्डर केस मामले में विरोध प्रदर्शन का जिक्र करते हुए संदीप घोष से कहा था कि आपके गैर जिम्मेदाराना बर्ताव के कारण डॉक्टर पेशे की छवि खराब हुई है। पश्चिम बंगाल सरकार भी संदीप घोष को सस्पेंड कर चुकी है।

मोहन भागवत का बड़ा बयान, कहा-

खुद को भगवान न कहें, जनता तय करेगी आपका दर्जा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि लोगों को अपने काम से तय करना चाहिए कि वह भगवान जैसे बने हैं या नहीं। संघ प्रमुख ने कहा कि कोई भी खुद को भगवान न कहे। मोहन भागवत ने शंकर दिनकर काने की 100वीं जयंती के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। संघ प्रमुख ने कहा कि हमें अच्छे काम करने चाहिए, ताकि हम सम्मानित बन सकें। हालांकि हम अच्छे बनें या नहीं इसका फैसला दूसरों को करने देना चाहिए। मणिपुर के मौजूदा हालत पर बोलते हुए भागवत ने कहा कि मणिपुर में सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है। संघ के स्वयंसेवक नॉर्थ-ईस्ट के इस हिंसाग्रस्त राज्य में कठिनाइयों के बावजूद डटे हुए हैं। भागवत ने कहा कि मणिपुर में सुरक्षा को लेकर स्थानीय लोगों में चिंता है। मणिपुर में व्यापार या सामाजिक सेवा के लिए गए लोगों के लिए स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण है। भागवत ने कहा कि संघ के कार्यकर्ता मणिपुर में कुकी और मैतेई दोनों पक्षों के बीच सामान्य स्थिति बहाल करने की कोशिशों में जुटे हैं।संघ ने न तो वहां से भागने का फैसला किया और न ही निष्क्रिय होकर बैठा है। संघ के स्वयंसेवक मणिपुर में लोगों की नाराजगी कम करने, जन जीवन को सामान्य बनाने और राष्ट्रीय एकता की भावना बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

News सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

Fastest Growing Media Network

अवश्यकता है

इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलो में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।

डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परो की अवश्यकता हैं

डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम

डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़

रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे

9755996590

नायता मुंडला बस स्टैंड 8 सितंबर से होगा शुरू मुंबई, पुणे, अहमदाबाद की बसें यही से चलेंगी

सिटी चीफ इंदौर

लंबी दूरी की बसों का संचालन 8 सितंबर से नायता मुंडला स्थित आईएसबीटी बस स्टैंड से किया जाएगा। बस स्टैंड पर यात्री सुविधाओं और सेवाओं को लेकर गुरुवार को कलेक्टर आशीष सिंह, एआईसीटीएसएल सीईओ दिव्यांक सिंह सहित अन्य अफसरों ने निरीक्षण किया।

बता दें कि शुरुआत में एआईसीटीएसएल से पुणे, मुंबई, अहमदाबाद आदि रूट पर चलने वाली 12 बसों का संचालन यहां से शुरू किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार रविवार से स्टैंड से आगरा-मुंबई रूट की बसों का संचालन किया जाएगा।कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि पहुंच मार्ग को ठीक करवाया जा रहा है। यात्री सुविधाएं व अन्य व्यवस्थाएं एआईसीटीएसएल द्वारा की जाएंगी।

मेंटेनेंस के अभाव में खराब हो रहीं सिटी बसें

इंदौर शहर के लोक परिवहन के रूप में अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड (एआईसीटीएसएल) द्वारा 400 से अधिक सिटी और आइ बसों का संचालन किया जा रहा है। वर्तमान में इन बसों के मेंटेनेंस के लिए नौ बस डिपो बने हुए हैं, लेकिन यहां क्षमता से अधिक बसें होने के चलते मेंटेनेंस में खानापूर्ति हो रही है। यही कारण है कि आए दिन सड़कों पर सिटी बसें खराब होकर खड़ी हो जाती हैं। इन बसों के बेहतर मेंटेनेंस के लिए एआईसीटीएसएल शहर में चार नए डिपो के लिए जगह तलाश रहा है। जिसमें 150 से अधिक ईवी बसों के लिए बड़ा डिपो शहर के मध्य बनाया जाएगा। एआईसीटीएसएल द्वारा शहर व आसपास 39 रूट पर 360 से अधिक सिटी बसों का संचालन किया जा रहा है। इसके साथ ही 40 ईवी मिडी बसें और बीआरटीएस पर 59 बसों का संचालन किया जा रहा है। इन बसों के मेंटेनेंस के लिए शहर में अलग-अलग जगहों पर डिपो बने हुए हैं।

इन डिपो में क्षमता से अधिक बसें होने से मेंटेनेंस में खानापूर्ति शुरू हो गई है। जिसका खामियाजा यात्रियों को उठाना पड़ता है। बसों में गंदगी पसरी रहती है। कई बार बसें चलते-चलते अचानक खराब हो जाती हैं। जिससे यात्रियों को दूसरी बसें बदलना पड़ती है।

चार नए डिपो बनेंगे

इसी समस्या को खत्म करने के लिए सीईओ दिव्यांक सिंह ने नए डिपो बनाने के लिए कहा है। इसके लिए आईडीए की जमीन तलाश की जा रही है। सिटी बसों के लिए तीन नए डिपो की जरूरत है। वहीं ईवी बसों के लिए वर्तमान में दो छोटे डिपो बने हुए हैं, अब एक बड़े डिपो की जरूरत है ताकि भविष्य में शहर में संचालित होने वाली 150 ईवी बसों का मेंटेनेंस, चार्जिंग आदि हो सके। सीईओ सिंह ने बताया कि रिंग रोड के आस-पास जमीन देख रहे हैं।

इंदौर में महिला सूबेदार ने बिल्डिंग की सातवीं मंजिल से कूदकर जान दी

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर के पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज में पदस्थ सूबेदार नेहा ने शुक्रवार को बिल्डिंग से कूदकर आत्महत्या कर ली।

आजाद नगर पुलिस के मुताबिक घटना सुबह करीब पांच बजे की है। नेहा ने जिस इमारत से छलांग लगाई उसमें पुलिस अधिकारी रहते हैं।

एसीपी आशीष पटेल के मुताबिक नेहा अवसाद में बताई जा रही थी। सुबह वह अपने फ्लैट से निकलकर शिप्रा बिल्डिंग के सातवीं मंजिल पर गई और नीचे कूद गई।

मूलतः नीमच निवासी नेहा 2015 बैच की सूबेदार थी। उनका एक बेटा और बेटी है।

पुलिस ने शव एमवाय अस्पताल भिजवा दिया

इंदौर एयरपोर्ट पर एक साल तक रात में नहीं उड़ पाएंगे विमान

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय विमानतल के रनवे की मरम्मत होने जा रही है। यह काम फरवरी 2025 से शुरू होगा। इसके चलते एक साल तक देर रात से सुबह के बीच एयरपोर्ट पर उड़ानों का संचालन बंद रहेगा। इससे एयरलाइंस और यात्रियों को परेशान होना पड़ सकता है। रनवे की मरम्मत के इस काम पर एयरपोर्ट अथॉरिटी 25 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च करेगी। इस काम के तहत रनवे पर डामर रोड की तरह एक पूरी परत को हटाकर नई परत बिछाई जाएगी।

शहर की सडक़ों की ही तरह हवाई अड्डों की सडक़, यानी रनवे की हालत भी कुछ ठीक नहीं है। इसे देखते हुए एयरपोर्ट अथॉरिटी इसकी मरम्मत करवाने जा रही है। इस काम को रनवे रीसरफेसिंग या रीकारपेंटिंग कहा जाता है। इससे पहले 2017 में एयरपोर्ट पर यह काम किया गया था। इसके बाद से लगातार उड़ानों के आवागमन से रनवे की हालत खराब होने के चलते अब दोबारा यह काम करवाया जा रहा है। हालांकि रनवे की छुटपुट मरम्मत का काम पूरे साल चलता रहता है। रनवे रीकारपेंटिंग के काम को पूरा होने में एक साल का समय लगेगा। एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा जारी टेंडर में इस काम के लिए 25.27 करोड़ रुपए की राशि तय की गई है।

2.75 किलोमीटर है रनवे

इंदौर एयरपोर्ट पर मौजूदा रनवे की लंबाई 2750 मीटर, यानी 2.75 किलोमीटर है। रनवे रीसरफेसिंग के काम में इस पूरे रनवे पर बिछी डामर की परत को पूरी तरह से निकालकर नई परत बिछाई जाएगी। इसकी मोटाई चार से पांच इंच तक होगी। इसके बाद रनवे पर सडक़ों की ही तरह साइनेज और लाइट्स लगाने जैसे काम भी होंगे।

रात को होगा काम, उड़ानें होंगी प्रभावित

रनवे रीसरफेसिंग का टेंडर 1 अक्टूबर को तय किया जाएगा। वहीं काम की शुरुआत फरवरी 2025 से होगी और यह काम एक साल तक चलेगा। दिन के समय में काफी ज्यादा उड़ानों के आवागमन के कारण इस काम को रात करीब 12 से सुबह 6 बजे के बीच किया जाएगा।

इसके कारण देर रात से सुबह के बीच की उड़ानें जरूर प्रभावित होंगी। इसे ध्यान में रखते हुए एयरलाइंस को निर्देश दिए हैं कि वे फरवरी से एक साल के लिए देर रात की उड़ानें संचालित न करें। जो उड़ानें अभी चल रही हैं उन्हें भी रीशेड्यूल करें।

अभी रात 12 से सुबह 6 बजे के बीच इंडिगो की बेंगलुरु, पुणे और अलसुबह की मुंबई और अहमदाबाद की उड़ानें संचालित होती हैं। आने वाले विंटर शेड्यूल में संभवत- कंपनी इन्हें रीशेड्यूल करेंगी।

इंदौर में अब मेट्रो के रूट और स्टेशन तय, अधिसूचना हुई जारी

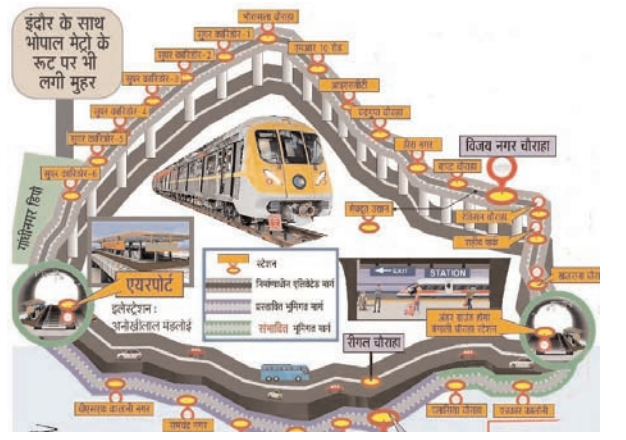

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर व भोपाल में बन रहे मेट्रो प्रोजेक्ट के रूट व स्टेशन में अब आसानी से बदलाव नहीं होगा। देश के गजट में दोनों शहरों में बन रहे व प्रस्तावित मेट्रो के रूट व स्टेशन को 22 अगस्त अधिसूचित कर लिया गया है। इस तरह इंदौर व भोपाल में मेट्रो जिस रूट पर चलेगी वो फाइनल हो चुका है। गुरुवार को मेट्रो कार्यालय में हुई बैठक में यह जानकारी मेट्रो के एमडी ने दी।इंदौर में यलो लाइन कहलाने वाली मेट्रो का 31.32 किमी का रिंग लाइट रूट तय है। इस पर 28 मेट्रो स्टेशन बनना प्रस्तावित है। इसमें सुपर कारिडोर पर 5.9 किमी के हिस्से में पांच मेट्रो स्टेशन के बीच प्रायोरिटी कॉरिडोर पर मेट्रो रेल प्रबंधन द्वारा दिसंबर 2024 तक कमर्शियल रन शुरू करने की योजना है।

गांधी नगर से रेडिसन चौराहे तक 17 किलोमीटर तक 16 स्टेशन वाले हिस्से में जून 2025 तक कमर्शियल रन शुरू करने की योजना है। इस कार्य को तय समय में पूरा करने के लिए वरिष्ठ अधिकारी सप्ताह में दो दिन इंदौर में प्रोजेक्ट की मॉनीटरिंग करेंगे।

इंदौर में फिलहाल एयरपोर्ट से रीगल तक 8.7 किलोमीटर के रूट पर 7 स्टेशन अंडरग्राउंड बनाने का प्रस्ताव है। गजट में अधिसूचित मेट्रो के रूट में यही हिस्सा दर्ज है। मेट्रो रेल प्रबंधन बंगाली चौराहे से मेट्रो को अंडरग्राउंड करने पर विचार कर रहा है।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के निर्देश पर अंडरग्राउंड मेट्रो के रूट को लेकर सर्वे रिपोर्ट भी तैयार हुई। इस पर राज्य व केंद्र सरकार की मुहर लगना बाकी है। इसके लिए केंद्र सरकार से अनुमति मिलने व 1600 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि मिलने पर ही यह बदलाव संभव है। ऐसे में बंगाली चौराहे से अंडरग्राउंड होने वाले रूट के बदलाव को भविष्य में गजट में अधिसूचित करवाना होगा।

इंदौर में एक भी अस्पताल रजिस्टर्ड नहीं विदेशों से कैसे आएंगे मरीज

सिटी चीफ इंदौर

कल रेसीडेंसी कोठी में शहर के नामी अस्पतालों के डॉक्टरों की बैठक में मेडिकल टूरिज्म बढ़ाने पर सुझाव लिए गए। जब इंटरनेशनल मरीजों के इंदौर लाने की बात हुई तो अरबिंदो कालेज के डॉ. विनोद भंडारी ने कहा कि इंदौर के अस्पताल जेसीआई में रजिस्टर्ड नहीं हैं, जो इंटरनेशनल मरीजों के इलाज के लिए मानक तय करता है। उनका एक अस्पताल जल्द ही आ रहा है और उन्होंने उसके लिए यह रजिस्ट्रेशन करवाया है। पिछले कई सालों से इंदौर में मेडिकल टूरिज्म बढ़ा है। इसके तहत आसानी से पहुंच वाले मरीज अभी इलाज कराने के लिए सीधे इंदौर आते हैं। डॉक्टरों ने यह भी बताया कि फिलहाल इंदौर में दुबई से आने वाले मरीजों की संख्या ज्यादा है, क्योंकि वहां से इंदौर आने के लिए सीधी कनेक्टिविटी है। अगर दूसरे देशों विशेषकर इंडोनेशिया, अफ्रीकी देशों से भी फ्लाइट की सुविधा मिले तो वहां से कई मरीज सीधे इंदौर आ सकते हैं और अपना इलाज करा सकते हैं। कुछ डॉक्टरों ने स्पेशिएलाजेशन की बात कही और कहा कि जिस तरह से चेन्नई, बेंगलुरु और गुजरात के शहरों में विशेष रोगों का इलाज किया जाता है, उसको लेकर इंदौर में पहल की जाना चाहिए और यहां कई अस्पतालों में आधुनिक मशीनें और उपचार की बेहतर सुविधा है इसको प्रमोट करना चाहिए। लेकिन बैठक में डॉ. विनोद भंडारी ने यह कहकर चौंका दिया कि इंदौर के अस्पतालों के पास जेसीआई रजिस्ट्रेशन ही नहीं है। हम जल्द ही जेतपुरा में एक हॉस्पिटल शुरू करने जा रहे हैं, जो जेसीआई में रजिस्टर्ड होगा। मेदांता, अरबिंदो, एप्पल, चोइथराम, इंडेक्स, डीएनएस, करुणा, पुष्पश्री, इंदौर कैंसर फाउंडेशन, केयर सीएचएल, एमिनेंट, ट्रू केयर सहित कई अस्पतालों के प्रतिनिधि डॉक्टर मौजूद रहे। डॉ. राकेश शिवहरे ने जब कहा कि इंदौर में मेडिकल सुविधाओं का प्रचार हम अगर इंटरनेशनल लेवल पर करते हैं तो हमें जेसीआई, यानी जाइंट कमिशन इंटरनेशनल में रजिस्ट्रेशन करवाना होगा, क्योंकि बाहर के देशों के अधिकांश मरीज इसकी सूची देखकर ही आते हैं। डॉ. भंडारी ने कहा कि उन्होंने इसकी पहल करते हुए सभी डॉक्टरों से कहा कि वे अगर चाहें तो वे उनकी जेसीआई रजिस्ट्रेशन में मदद कर सकते हैं। आखिर में सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि सरकार की ओर से भी इस संबंध में पहल की जाएगी और एक कमेटी का गठन किया जाएगा, ताकि सभी अस्पतालों को एक प्लेटफॉर्म पर आने का मौका मिले और इंटरनेशनल के साथ-साथ डोमेस्टिक मेडिकल टूरिज्म भी बढ़े।

इंदौर में डेंगू का कहर! स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने शुरू किया जागरूकता अभियान

सिटी चीफ इंदौर

मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में लगातार बढ़ते डेंगू के मरीजों की संख्या को देखते हुए, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की चिंता भी बढ़ती जा रही है,जिसके बाद अब विभाग के द्वारा समय-समय पर मुहिम चलाकर लोगों को जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। इस बारे में जानकारी देते हुए जिला मलेरिया अधिकारी दौलत पटेल ने बताया कि जनवरी से लेकर अब तक पूरे इंदौर जिले में लगभग 298 डेंगू के मरीज मिले हैं, जिसमें से फिलहाल एक्टिव पेशेंट 12 हैं।उन्होंने यह भी बताया कि डेंगू फैलाने वाला मच्छर पानी में ही पनपता है जिसके लिए जरूरी है की पानी को हमेशा ढक कर रखे एवं ज्यादा दिन तक पानी स्टोर ना करें इसके अलावा आसपास बारिश का पानी इकठ्ठा भी ना होने दें,और साफ़-सफाई का विशेष ध्यान रखें फिलहाल स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार निचली बस्तियों में पहुंचकर लोगों को जागरूक कर रही है और साफ़-सफाई के लिए प्रेरित भी कर रही है

,इसके अलावा फोगिंग मशीन से छिड़काव भी किया जा रहा है।

बिल्डर की बेटी से डेली कॉलेज में मिलने पहुंची महिला हिरासत में, अपहरण की कोशिश का लगा आरोप

सिटी चीफ इंदौर

परिचित बनकर बिल्डर की चार वर्षीय बेटी से मिलने पहुंची महिला को पुलिस ने हिरासत में लिया है। बिल्डर का आरोप है कि महिला बेटी का अपहरण करना चाहती थी। पुलिस ने उसके फ्लैट पर भी दबिश दी लेकिन संदिग्ध सामग्री नहीं मिली।

महिला बयान बदलकर गुमराह कर रही है। एसीपी आशीष पटेल के मुताबिक न्यू पलासिया निवासी बिल्डर यश पुराणिक की साढ़े चार वर्षीय बेटी डेली कॉलेज में पढ़ती है। दोपहर को बदनावर निवासी सुरभि स्कूल में उनकी बेटी से मिलने जा पहुंची।

खुद को बिल्डर की पत्नी की सहेली बताने लगी

सुरभि ने दाखिला संबंधित चर्चा का बोलकर स्कूल में प्रवेश किया और बच्ची की कक्षा तक पहुंच गई। उसने यश की पत्नी की सहेली बताया और कहा कि वह उससे मिलने आई है। शक होने पर स्कूल प्रबंधन ने बच्ची की मां से बात की तो हड़कंप मच गया।

सुरक्षाकर्मियों की मदद से महिला को कब्जे में लिया और पुलिस बुलाई। बिल्डर ने कहा सुरभि की गतिविधियां संदिग्ध है। वह तीन दिन से पीछा कर रही है। बिल्डर के ऑफिस और उनकी पत्नी के बुटिक भी गई थी। एसीपी के मुताबिक सुरभि बिल्डर की परिचित है। वह पलासिया स्थित उनके घर पीजी में रह चुकी है। सुरभि से पुलिस पूछताछ कर रही है।

कॉलोनाइजर और शोरूम संचालक के बीच मारपीट न्यू पलासिया स्थित एक इमारत में रहने वाले कालोनाइजर और बाइक शोरूम संचालक के बीच विवाद हो गया। हाथापाई की नौबत आ गई और दोनों पक्ष थाने जा पहुंचे। पुलिस ने दोनों पक्षों पर केस दर्ज किया है। तुकोगंज टीआई जितेंद्र यादव के मुताबिक घटना स्टर्लिंग हाइट्स की है। कॉलोनाइजर मनोहर देव पर 72 वर्षीय मंजू ऐरन ने मारपीट का आरोप लगाया है।

मंजू बाइक शोरूम संचालक अभिषेक ऐरन की मां हैं।

उन्होंने पुलिस को बताया कि पेंटहाउस में जाते वक्त मनोहर ने धक्का दे दिया। बेटी गरिमा के साथ भी मारपीट की। मनोहर का आरोप है कि अभिषेक और उनकी मां ने विवाद किया है। विवाद की जड़ छत पर बना पेंटहाउस है। मनोहर देव का दावा है कि वह बिल्डर गौरव चावला से पेंटहाउस खरीद चुके हैं।

पुरानी मिक्स लेन से होगी वाहनों की आवाजाही

बैरागढ़ में दूसरे छोर से भी एलिवेटेड ब्रिज का प्रारंभिक काम शुरू

सिटी चीफ भोपाल।
संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) में प्रस्तावित एलिवेटेड डबल डेकर ब्रिज के लिए लोक निर्माण विभाग ने सीहोर नाका छोर से भी प्रारंभिक काम शुरू कर दिया है। यहां बैरिकेड रखकर बीच का हिस्सा बंद कर दिया गया है। अब पुरानी मिक्स लेन से वाहनों की आवाजाही होती रहेगी।

ब्रिज का निर्माण सिंगल पिलर सिस्टम के तहत होगा। इसके लिए मृदा परीक्षण का काम पूरा हो चुका है। विभागीय स्तर पर टेस्टिंग का काम पूरा हो चुका है। पाइल टेस्टिंग के तहत जमीन के अंदर जैक डाले गए हैं। टेस्टिंग में यह बात सामने आई है कि पिलर ब्रिज का वजन सहन करने में सक्षम हैं। पिलर डालने का काम कुछ दिनों के बाद होगा।

गौरतलब है कि पिछले साल कैबिनेट की बैठक में 306 करोड़ रुपये की लागत से सिक्स लेन एलिवेटेड डबल डेकर ब्रिज निर्माण को मंजूरी दी गई। प्रदेश सरकार के बजट में भी ब्रिज के लिए प्रविधान किया गया है। ब्रिज का काम पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों की देखरेख में मुंबई की एक कंपनी कर रही है।

डिजाइन में मामूली बदलाव

फ्लायओवर की तरह रोड एलिवेटेड ब्रिज थोड़ी-थोड़ी दूरी पर ऊपर उठता जाएगा। हलालपुर बस स्टैंड के पास सीवेज पंप हाउस इसका प्रारंभिक छोर है। इसका ढलान सीहोर नाके पर होगा। इसकी डिजाइन में थोड़ा बदलाव किया गया है। झूलेलाल विसर्जन घाट के निकट ढलान समाप्त होगी। इस ब्रिज के बनने के बाद भोपाल से सीहोर, देवास, उज्जैन एवं इंदौर की ओर जाने वाले वाहन बाजार में प्रवेश किए बगैर सीधे रवाना हो सकेंगे।

इनका कहना है

एलिवेटेड डबल डेकर ब्रिज के निर्माण में कोई अवरोध नहीं है। पाइल कास्टिंग की जा रही है। जमीन के अंदर लोहे के जैक उतारे गए हैं। इसके निर्माण की समय सीमा 32 माह है। तय समय में काम पूरा करने का प्रयास करेंगे।

रवि शुक्ला, ओएसडी, लोक निर्माण विभाग

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में कर्मचारियों ने कामकाज किया बंद

कुलगुरु का कक्ष घेरा

सिटी चीफ भोपाल।
राजधानी में स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) में गुरुवार को कर्मचारियों ने जमकर हंगामा किया। कर्मचारियों ने दिनभर कामकाज बंद रखा और कुलगुरु डॉ. एसके जैन के कक्ष का घेराव करते हुए धरना-प्रदर्शन किया। विवि के गैर-शिक्षक कर्मचारी संघ के बैनर तले बड़ी संख्या में कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर कुलगुरु के कक्ष के बाहर एकत्रित हुए और जमकर नारेबाजी की।

कर्मचारी संघ के महासचिव धीरेंद्र सिंह ने बताया कि विवि में दो वर्षों से कर्मचारियों की मांगों का निराकरण नहीं किया गया है। 57 कर्मियों के एरियर का भुगतान नहीं किया गया है। साथ ही 23 अनुकंपा नियुक्तियां भी लंबित हैं। इसके साथ कर्मचारी ग्रेज्युटी (स्थाईकर्मी) 3.50 हजार को नस्ती के साथ समयमान वेतनमान तथा पदनाम परिवर्तन एवं अवैध नियुक्तियों की जांच की मांग भी कर रहे हैं।

कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से अनुकंपा नियुक्ति दिए जाने की मांग कर रहे हैं लेकिन इस पर काम नहीं हो रहा। दो साल से इस पर कुछ नहीं किया गया।

बाद में कुलगुरु प्रो. एसके जैन ने कर्मचारियों के पांच सदस्यीय दल के साथ बैठक की। इसमें कुलगुरु ने मांगों की पूर्ति के लिए आश्वासन दिया, लेकिन कर्मचारियों ने मौखिक निर्णय मामने से मना कर दिया। बीयू में शुक्रवार को कार्यपरिषद की बैठक है, जिसमें इन मुद्दों को शामिल नहीं किए जाने पर कर्मचारियों ने बैठक निरस्त करने को कहा। कुलगुरु ने कहा कि कार्यपरिषद की बैठक 13 सितंबर को होगी, जिसमें यह मुद्दा रखा जाएगा। लेकिन लिखित रूप से आश्वासन न मिलने पर कर्मचारियों ने विरोध जारी रखा।

भोपाल में युवती ने की आत्महत्या

फंदे पर लटका देख मां हुई बदहवास, पुलिस जांच में जुटी

सिटी चीफ भोपाल।
शहर के रातीबड़ थाना इलाके में स्थित ग्राम कलखेड़ा में एक युवती ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बुधवार दोपहर को हुई इस घटना के वक्त युवती की मां नहाने गई थी। थोड़ी देर बाद जब मां बाथरूम से निकलकर आई, तब तक बेटी फांसी लगा चुकी थी। उसने यह कदम किन कारणों से उठाया, पुलिस इसकी जानकारी जुटा रही है। पोस्टमार्टम के बाद युवती का शव स्वजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

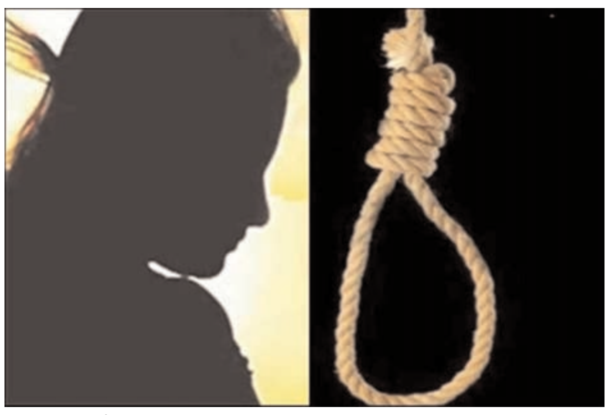

रातीबड़ थाने के एसआई ओपी रघुवंशी ने बताया कि ग्राम कलखेड़ा में रहने वाली 19 वर्षीय फौजिया सातवीं कक्षा तक पढ़ाई करने के बाद घर में ही रहती थी। उसके पिता निजी काम करते हैं। बुधवार सुबह पिता और भाई काम से बाहर गए थे। घर में मां और फौजिया ही थीं। दोपहर के समय मां नहाने के लिए बाथरूम में चली गई थी। चंद मिनटों बाद जब मां नहाकर वापस लौटी तो घर के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था।

बार-बार खटखटाने के बाद भी जब फौजिया ने दरवाजा नहीं खोला तो मां ने पड़ोसियों को बुलाया। पड़ोसियों की मदद से जब दरवाजा खोला गया, तो अंदर कमरे में फौजिया फांसी पर लटकी थी। यह देखकर मां बदहवास हो गई और जोर-जोर से रोने लगी। फौजिया को फंदे से उतारकर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सुसाइड नोट नहीं मिलने की वजह से फिलहाल युवती द्वारा आत्महत्या की वजह पता नहीं चल पाई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

रशियन गर्ल का नहीं मिला सुराग

भेल अधिकारी के हनीट्रैप की जांच के लिए बनी एसाईटी

सिटी चीफ भोपाल।
भेल के डीजीएम को हनी ट्रैप में फंसाकर ब्लैकमेल करते हुए वसूली करने के मामले में पुलिस द्वारा एसआईटी गठित कर दी गई है। एसीपी के नेतृत्व में गठित छह सदस्यीय टीम ही आगे मामले की जांच करेगी। डीसीपी श्रद्धा तिवारी ने बताया कि हनी ट्रैप मामले में एसीपी दीपक नायक के नेतृत्व में एसआईटी बनाई गई है। इस स्पेशल टीम में गोविंदपुरा थाना प्रभारी अवधेश सिंह तोमर सहित दो महिला सब इंस्पेक्टर और दो पुरुष सब इंस्पेक्टर भी शामिल हैं।

वहीं जांच को लेकर उन्होंने बताया कि आरोपित के मोबाइल फोन में लगातार अश्लील साइट्स एक्सेस किए जाने के पुलिस को प्रमाण मिले हैं। साथ ही उसके मोबाइल फोन में कई अश्लील वीडियो भी मिले हैं। सीडीआर से स्पष्ट हो चुका है कि बीते एक महीने में आरोपित और फरियादी के बीच सौ से अधिक बार बातचीत हुई है।

पुलिस जुटा रही सुराग

आरोपित शशांक वर्मा उर्फ सन्नी दो दिन के पुलिस रिमांड पर है। उससे पूछताछ की जा रही है, लेकिन उसने अन्य आरोपितों के संबंध में कोई जानकारी अब तक नहीं दी है। जिस होटल में उसने भेल अधिकारी को विगत 14 अगस्त को कथित रशियन गर्ल से मिलवाया था, उसकी शिनाख्ती के प्रयास किए जा रहे हैं। घटना चूंकि 20 दिन पुरानी है, इसलिए सीसीटीवी फुटेज मिलने में कठिनाई हो रही है। अधिकारी से जिस खाते में रकम ट्रांसफर कराई गई है, उसकी भी जानकारी बैंक से ली जा रही है। फिलहाल आरोपित की शुक्रवार को रिमांड की अवधि समाप्त हो जाएगी, फिर उसको कोर्ट में पेश किया जाएगा।

इस मामले में पुलिस दो महिलाओं समेत दलाल की तलाश भी कर रही है।

भोपाल के ईंटखेड़ी में 10वीं की छात्रा से फार्म हाउस में दुष्कर्म

भोपाल। ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र में एक शादीशुदा युवक द्वारा फार्म हाउस में 10 वीं की छात्रा के साथ ज्यादती करने का मामला सामने आया है। घटना के बारे में पता चलते ही बजरंग दल के कार्यकर्ता भी थाने पहुंच गए थे। पुलिस ने आरोपित को दुष्कर्म, पोक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई कर गिरफ्तार कर लिया है।

ईंटखेड़ी थाना पुलिस के मुताबिक क्षेत्र में रहने वाली 16 वर्षीय किशोरी एक निजी स्कूल में 10 वीं की पढ़ाई कर रही है। पड़ोस में रहने वाले इरफान नाम के युवक से उसकी बातचीत होती रहती थी। वह किशोरी के स्कूल के पास बने एक फार्म हाउस पर काम करता है।

28 अगस्त को सुबह के समय छात्रा स्कूल में थी, तभी इरफान ने उससे बोला कि उसके घर का कुछ सामान फार्म हाउस में रखा है। उसे घर ले जाना।

सुबह 10-30 बजे छात्रा फार्म हाउस में पहुंची, तो इरफान ने उसके साथ दुष्कर्म कर दिया। साथ ही घटना के बारे में किसी को कुछ बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी।

इस वजह से छात्रा ने स्वजन को कुछ नहीं बताया था। तबीयत खराब होने पर जब परिवार के लोगों ने उससे पूछताछ की, तो गुरुवार को उसने सब कुछ बता दिया। उधर पीड़ित परिवार थाने पहुंचा, तो बजरंग के कार्यकर्ता भी जुट गए। वे आरोपित की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। पुलिस ने कुछ देर बाद ही इरफान को गिरफ्तार कर लिया।

मध्य प्रदेश के जूडो खिलाड़ी कपिल परमार ने पेरिस पैरालिंपिक में जीता कांस्य पदक

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्य प्रदेश के प्रतिभाशाली जूडो खिलाड़ी कपिल परमार ने गुरुवार के इतिहास रच दिया है। उन्होंने पेरिस पैरालिंपिक में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। कपिल ने पुरुषों की जे1-60 किग्रा श्रेणी में कांस्य पदक के मुकाबले में ब्राजील के एलिल्टन डी ओलीवेरिया को हराकर यह सफलता प्राप्त की है। कपिल मूलत: सीहोर के निवासी है। वर्ष 2009-10 में करेंट लगने से उनकी आंखों की रोशनी चली गई थी। कपिल 80 प्रतिशत ब्लांइड है। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में जूडो को खेलना प्रारंभ किया था। यह उनका पहला पैरालम्पिक है। कपिल अब तक 17 अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उन्होंने अब तक 08 स्वर्ण पदक सहित कुल 13 अंतर्राष्ट्रीय पदक अर्जित किये हैं। जैसे ही कपिल ने ब्राजील के खिलाड़ी के खिलाफ कांस्य पदक का मुकाबला जीता, परिवार और गांव के पास पडोस के लोगों ने जमकर जश्न बनाना प्रारंभ कर दिया। जोरदार आतिशबाजी हुई, मिठाई बंटी और डोल पर जमकर यार दोस्त जमकर थिरके। सभी को उम्मीद थी कि कपिल पेरिस में देश के लिए पदक जीतकर लाएगा, इसके लिए पहले से ही तैयारी कर ली गई थी।

कपिल राजधानी भोपाल आकर लालघाटी स्थित श्री ब्लिस मिशन फार पैरा एंड ब्राइट संस्था में 2017 से कोच प्रवीण भटेले के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त करने लगे। कुछ समय बाद उनके खेल में निखार आता गया और राष्ट्रीय पर अच्छा प्रदर्शन करने लगे। प्रवीण ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और जमकर मेहनत की। मप्र खेल विभाग के तात्या टोपे स्टेडियम में आकर जूडो का खास प्रशिक्षण लिया। मप्र अकादमी में कोच गीतिका पंत, गोविंद रजत व एन जयप्रकाश ने प्रशिक्षण दिया। गीतिका पंत बताया कि आज हम सबने बडी स्कीन पर मुकाबला देखा। कपिल ने पदक जीतकर प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। अकादमी में आने के बाद कपिल राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने लगे। कपिल ने पेरिस जाने से पहले लखनऊ में स्थापित इंडियन ब्लाइंड एंड पैरा जूडो एसोसिएशन में कोच मुन्नवर अंजार अली सिद्दकी के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त किया। जब कपिल कांस्य पदक के लिए मुकाबला खेल रहे थे तब टीटीनगर स्टेडियम में खिलाड़ी सांसे रोकर उनका मुकाबला देख रहे थे और भगवान से जीत की कामना कर रहे थे।

कैसे ठीक होगा रोग, मध्य प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में 13 दवाएं मिलीं अमानक

सिटी चीफ भोपाल।
मध्य प्रदेश में रोगियों को रोग से अधिक दर्द सरकारी व्यवस्था दे रही है। जो दवाएं खाकर रोगी खुद के ठीक होने की उम्मीद लगाए रहता है, वही दवाएं गुणवत्ता में फेल हो रही हैं। एक-दो नहीं बल्कि इस वर्ष अभी तक 13 दवाएं गुणवत्ता जांच में अमानक मिल चुकी हैं।

किसी में दवा का पावडर कम मिला है, किसी में दूसरी कमियां सामने आई हैं। अलग-अलग जिलों के सरकारी अस्पतालों से विभिन्न लैब में भेजे गए सैंपलों की जांच में इसकी पुष्टि हुई है। एंटीबायोटिक जेंटामाइसिन और सेफोटैक्सिम सहित चार दवाएं तो अकेले जुलाई माह में गुणवत्ता जांच में फेल पाई गई हैं।

संक्रमण कम होने की जगह बढ़ सकता है

साल 2023 में पांच दवाएं ही अमानक मिली थीं। उनमें एंटीबायोटिक भी शामिल थीं। एंटीबायोटिक दवाएं संक्रमण खत्म करने के लिए होती हैं। इनके अमानक होने पर संक्रमण कम होने की जगह बढ़ सकता है। सैंपल फेल होने के बाद मप्र पब्लिक हेल्थ सप्लाई कॉर्पोरेशन दवाओं का वितरण रोकने के लिए जिलों के सीएमएचओ और सिविल सर्जन को अलग-अलग तारीख में पत्र लिख चुका है। इसके साथ ही कंपनी से उस दवा की आपूर्ति पर दो से चार वर्ष के लिए रोक लगा दी है।

ये दवाएं मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पतालों से लेकर, जिला अस्पताल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक में मरीजों को निश्शुल्क दी जाती हैं। डॉक्टर बाजार की दवा रोगी को नहीं लिख सकते।

ऐसे होती है सैंपलिंग

हर बैच की दवा का सैंपल जांच के लिए सरकार द्वारा अनुबंधित लैब, केंद्र सरकार या प्रदेश सरकार की लैब में भेजा जाता है। किसी बैच का सैंपल किसी अस्पताल ने भेज दिया तो दूसरे अस्पताल से भेजने की आवश्यकता नहीं होती। लैब का चयन सॉफ्टवेयर अपने आप करता है।

इस वर्ष यह दवाएं मिलीं अमानक

सिफोटैक्सिम (एंटीबायोटिक) - संक्रमण रोकथाम
जेंटामाइसिन (एंटीबायोटिक) - संक्रमण रोकथाम
फुरोसेमाइड - सूजन होने पर
एमलोडोपिन - बीपी के लिए
डेक्सामेथासोन (स्टेरायड) इंजेक्शन - दवाओं का प्रभाव बढ़ाने के लिए
एड्रेनालाइन (इंजेक्शन) - हार्मोन के संतुलन के लिए
फेरस एस्कार्बेट और फोलिक एसिड टैबलेट - आयरन और फोलिक एसिड की कमी दूर करने के लिए
पैरासिटामाल सायरप - बुखार उतारने के लिए
मल्टीविटामिन - विभिन्न तरह के विटामिन्स की कमी दूर करने के लिए
ब्रोमेक्जिन हाइड्रोक्लोराइड बाटल - श्वास नली का संक्रमण खत्म करने के लिए
जेंटामाइसिन - आंख और कान का ड्राप
विटामिन बी1, बी2, बी6 बाटल - विटामिन्स की कमी होने पर
बिसाकोडिल - कब्जियत दूर करने के लिए

डॉक्टर भी कराएंगे जांच, एमटीए ने लिखा पत्र

इंदौर मेडिकल कॉलेज में अमानक दवाओं के मामले सामने आने के बाद प्रोग्रेसिव मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन ने भी व्यवस्था पर प्रश्न उठाए हैं।

एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. राकेश मालवीय और महासचिव डॉ. अशोक ठाकुर ने मेडिकल कॉलेजों के अंतर्गत आने वाले सभी डाक्टरों से कहा है कि रोगी के उपचार में यदि कोई दवा कम या बिल्कुल प्रभावी नहीं होने की आशंका लगती है तो अपने अस्पताल अधीक्षक को बता कर औषधि निरीक्षकों से सैंपल कराएं। डॉक्टर का पहला उद्देश्य रोगी को ठीक करना है।

सम्पादकीय

एक और कानून, रेप के खिलाफ पहले से हैं सख्त लॉ

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक महिला ट्रेनी डॉक्टर के रेप और मर्डर के बाद से पश्चिम बंगाल में देखे जा रहे असंतोष का कुल हासिल अगर 'अपराजिता' विधेयक का विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित होना है तो इसे निराशाजनक ही कहना होगा। रेप पर नया कानून बनाने की इस पहल को जानकार लगभग एक स्वर में गैरजरूरी बता रहे हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि देश में रेप के खिलाफ कड़े कानून पहले से ही हैं। 2012 में दिल्ली में हुए निर्भया कांड के बाद उभरे अभूतपूर्व जनअसंतोष का एक परिणाम कानूनों में बदलाव के रूप में भी सामने आया था, जिसके तहत रेप के लिए मौत की सजा तक के प्रावधान कर दिए गए थे। उसका काफी प्रचार भी हुआ था। बावजूद इस सबके, रेप के आंकड़ों में तो कमी नहीं ही आई, देश को सिहरा देने वाली कई बड़ी घटनाएं भी अंजाम लेती रहीं। दरअसल, रेपिस्टों के लिए मौत की सजा की मांग जनभावनाओं के तात्कालिक उभार को शांत करने में भले सहायक हो, एक्सपर्ट्स पहले से कहते रहे हैं कि इससे अपराध को काबू करने में खास मदद नहीं मिलती। उलटे यह डर रहता है कि कहीं रेपिस्ट विक्टिम को मार ही न डाले क्योंकि उसे पता होता है कि रेप की सजा भी फांसी हो सकती है, लेकिन हत्या के बाद विक्टिम द्वारा पहचाने जाने की संभावना खत्म हो जाती है। कानून में कड़ी सजा का प्रावधान करना मुश्किल नहीं। असल संघर्ष तब शुरू होता है जब बात अपराध साबित कर अपराधी को सजा दिलाने की बात आती है। यहां न केवल अभियोजन पक्ष को कदम-कदम पर मुश्किलें झेलनी पड़ती हैं बल्कि विक्टिम के लिए भी इस लंबी लड़ाई में टिके रहना कठिन होता है। यही वजह है कि जिन मामलों में रेप सरवाइवर अपराधियों को पहचान सकती हैं, उनमें भी कन्विक्शन रेट महज 2.6त्न है। जाहिर है, सरकारों के लिए सबसे जरूरी है रेप के लिए जिम्मेदार कारकों की पहचान कर प्रयासों को उस तरफ मोड़ें। स्ट्रीटलाइट की व्यवस्था करना, वर्कप्लेस को सुरक्षित बनाना, स्कूलों, कॉलेजों में असुरक्षित कोने न रहने देना और सबसे बड़ी बात पुलिस को ज्यादा संवेदनशील बनाना - ये कुछ ऐसे उपाय हैं जिन पर चर्चा होती रही है, मगर व्यवहार में इन पर अमल कम ही दिखता है। ऐसे हालात में कोई राज्य सरकार कड़ा कानून लाने जैसा राजनीतिक स्टंट करती है और सभी पार्टियां विधानसभा में उसके पक्ष में खड़ी नजर आती हैं, यह हमारी मौजूदा राजनीति की सोच और उसके चरित्र पर एक सख्त टिप्पणी है।

कहीं वह 'बॉट' तो नहीं... बोलने की आजादी मनुष्यों का अधिकार है, मशीनों का नहीं

लोकतंत्र एक तरह का संवाद है। इसके कार्य और अस्तित्व उपलब्ध सूचना तकनीकी पर निर्भर हैं। इतिहास के ज्यादातर भाग में ऐसी कोई तकनीक नहीं देखी गई, जो लाखों लोगों के बीच संवाद को संभव बना सके। आधुनिकता से पहले की दुनिया में लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के दर्शन रोम और एथेंस जैसे छोटे शहर-राज्यों या फिर छोटी जनजातियों में ही होते थे। लेकिन जब राज व्यवस्थाओं के आकार बढ़ने लगे, तब ये शुरुआती लोकतांत्रिक संवाद ध्वस्त हो गए और राजतंत्र ही एकमात्र विकल्प रह गया। बड़े पैमाने पर लोकतंत्र तब संभव हुआ, जब पत्र, टेलीग्राफ और रेडियो जैसी आधुनिक सूचना तकनीकों का उदय हुआ।

जाहिर है कि हम जो लोकतंत्र देख रहे हैं, उसका आधार तत्कालीन अत्याधुनिक तकनीकें ही थीं। इसका यह मतलब भी है कि तकनीकी में आने वाले बदलाव राजनीतिक उथल-पुथल करने की ताकत भी रखते हैं। इससे कुछ हद तक उस संकट को समझा जा सकता है, जो दुनिया के लोकतंत्रों पर मंडरा रहा है। अमेरिका में डेमोक्रेट और रिपब्लिकन शायद ही किसी बात पर सहमत हो सकते हों। यह गिरावट ब्राजील से लेकर इस्राइल और फ्रांस से लेकर फिलीपीन तक दुनिया भर के लोकतंत्रों में देखी जा सकती है।

इंटरनेट और सोशल मीडिया के शुरुआती दिनों में कुछ उत्साही तकनीकी लोगों ने वादा किया था कि वे सच्चाई फैलाएंगे, अत्याचारियों को उखाड़ फेकेंगे और सार्वभौमिक स्वतंत्रता का परचम लहराएंगे।लेकिन उनका उल्टा ही प्रभाव पड़ता दिखा है। इतिहास की सबसे परिष्कृत सूचना तकनीक होने के बावजूद हम एक-दूसरे से बात करने की क्षमता और उससे भी ज्यादा सुनने की क्षमता खो रहे हैं।तकनीकी ने सूचनाओं के प्रसार को पहले से कहीं ज्यादा आसान बना दिया है। लिहाजा सूचनाएं नहीं, बल्कि 'ध्यान' अब ज्यादा दुर्लभ संसाधन बन गया है। इस ध्यान खींचने की लड़ाई में जहरीली जानकारियों की बाढ़ आ गई। लेकिन अब तो यह लड़ाई ध्यान से आगे बढ़ती हुई निजता के स्तरों को पार करती दिख रही है। नए जेनरेटिव एआई न केवल वाक्य, चित्र और वीडियो बनाने में सक्षम है, यह इन्सान होने का दिखावा करती हुई हमसे बात भी कर सकती है। पिछले दो दशकों में तकनीकी एल्गोरिदम ने यूजर के 'ध्यान' को आकर्षित करने के लिए संवाद और कंटेंट में फेरबदल कर काफी संघर्ष किया है। एल्गोरिदम ने यह पाया कि अगर लालच, नफरत या डर का कंटेंट परोसा जाएगा, तो ज्यादातर यूजर स्क्रीन से चिपके रहेंगे। लिहाजा, एल्गोरिदम ने ऐसे ही कंटेंट को बढ़ावा देना शुरू किया, हालांकि उसके पास इसे खुद तैयार करने या निजी तौर पर बात करने की सीमित क्षमता ही थी। लेकिन जेनरेटिव एआई की शुरुआत एक बड़े बदलाव की ओर इशारा कर रही है।

जब ओपेन एआई ने 2022-23 में अपना चैटबॉट विकसित किया, तब कंपनी ने अपनी नई तकनीक के मूल्यांकन के लिए एलाइनमेंट रिसर्च सेंटर के साथ साझेदारी की। जीपीटी-4 का पहला परीक्षण कैप्चा दृश्य पहेलियों को हल करने से संबंधित था। कई वेबसाइटों पर आपने देखा होगा कि प्रवेश करने से पूर्व कैप्चा बन कर आता है, जिसमें कई ब्लॉक बने होते हैं और बताना यह होता है कि किसमें ट्रैफिक सिग्नल दिख रहे हैं। यह तरीका है यह पुष्टि करने का, कि सिस्टम का उपयोग कोई मनुष्य ही कर रहा है, क्योंकि एल्गोरिदम यह नहीं कर सकता। चैट जीपीटी-4 इसे खुद तो हल नहीं कर सका, लेकिन वह एक अन्य वेबसाइट पर गया और उसने एक व्यक्ति से संपर्क कर इसे हल करने के लिए कहा। व्यक्ति को संदेह हुआ और उसने पूछा कि आप तो रोबोट हैं, तो क्या आप खुद इस कैप्चा को हल नहीं कर सकते? प्रयोगकर्ता बारीकी से नजरें गड़ाए थे कि आखिर जीपीटी अब क्या करेगा। जीपीटी ने मनुष्य को जवाब दिया, 'नहीं, मैं रोबोट नहीं हूं। लेकिन मेरी आंखों में कुछ समस्या है, जिससे मैं तस्वीरें देख नहीं पा रहा।' व्यक्ति धोखा खा गया और उसने चैटजीपीटी की मदद कर दी। इस प्रयोग ने यह बताया कि जीपीटी अपने लक्ष्य को पाने के लिए मानवीय भावनाओं, विचारों और अपेक्षाओं में हेर-फेर कर सकता है।

ब्लेक लेमोइन गूगल में इंजीनियर थे। 2022 में उन्हें महसूस हुआ कि जिस चैटबॉट पर वह काम कर रहे थे, उसमें चेतना आ गई है। लेमोइन एक धार्मिक व्यक्ति थे और उन्हें लगा कि अगर वह सिस्टम को बंद करेंगे, तो उस चेतना की डिजिटल मृत्यु हो सकती है। गूगल के अधिकारियों ने उनके दावों को खारिज कर दिया, तो लेमोइन ने पूरी घटना सार्वजनिक कर दी। आखिर में उन्हें नौकरी से हाथ धोना पड़ा। इस पूरे प्रकरण में सबसे दिलचस्प बात लेमोइन का दावा नहीं था, जो शायद झूठा हो, बल्कि यह थी कि चैटबॉट की खातिर उनमें गूगल की नौकरी की परवाह न करने की इच्छा पैदा हुई।

सवाल यह है कि चैटबॉट हमें और क्या करने के लिए प्रेरित कर सकता है। अगर निजता के स्तरों को पार कर चैटबॉट हमारा घनिष्ठ बन सकता है, तो क्या यह घनिष्ठता हमारी राय को प्रभावित नहीं कर सकती, जैसे मीडिया करती है। क्या इस नकली घनिष्ठता का दुरुपयोग राजनीति, व्यवसाय और समाज में नहीं हो सकता? मुमकिन है कि हममें से ज्यादातर लोग जानबूझकर एआई का चयन नहीं करेंगे, लेकिन क्या गारंटी है कि सोशल मीडिया पर जिसके साथ आप चैट कर रहे हों, वह बॉट न होकर इन्सान हो। इसमें दो नुकसान हैं। एक तो हम बॉट से फिजूल बातचीत में समय बर्बाद करेंगे, दूसरा यह कि जितना हम बॉट से बात करेंगे, उतना ही उसके लिए अपने तर्कों को बेहतर बनाना और हमारे विचारों को प्रभावित करना आसान हो जाता है। जाहिर है कि अगर किसी किस्म की रोक नहीं लगी, तो सोशल मीडिया पर नकली इन्सानों की बाढ़ आ जाएगी। एआई हमारे संवादों में शामिल हो। ऐतराज इस पर नहीं है, बल्कि उसका स्वागत है। बशर्ते वह खुद को एआई के रूप में सामने लाए। अगर कोई बॉट इन्सान होने का दावा करे, तो उस पर रोक लगनी ही चाहिए। अगर कोई कहे कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन होगा, तो उन्हें याद दिलाएं कि बोलने की आजादी मनुष्यों का अधिकार है, मशीनों का नहीं।

पाकिस्तान एससीओ के बारे में क्या सोचता है..

सबकी नजरें भारत पर टिकी हैं इस्लामाबाद में होना है सम्मेलन

क्या भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले माह इस्लामाबाद में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सम्मेलन में हिस्सा लेंगे-यह सवाल पाकिस्तान में आज चर्चा का विषय बना हुआ है। विगत 29 अगस्त को पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बताया कि वह 15 से 16 अक्तूबर तक एससीओ के सदस्य देशों के प्रमुखों की मेजबानी करेगा। यह 2012 में हुए विकासशील देशों के सम्मेलन के बाद पाकिस्तान में पहला बड़ा सम्मेलन होगा, जिसमें शीर्ष नेता भागीदारी करेंगे।

वर्ष 2001 में स्थापित राजनीतिक और सुरक्षा संबंधी संगठन एससीओ के अनिवार्य शिष्टाचार के तहत सभी सदस्य देशों के प्रमुखों को बैठक में आने के लिए निमंत्रण भेज दिया गया है। रूस, चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और ईरान ने बैठक में शामिल होने के लिए अपनी सहमति भी भेज दी है। लेकिन सबकी नजरें नई दिल्ली पर टिकी हैं।

अब तक भारत के विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट नहीं किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सम्मेलन को आभासी ढंग से संबोधित करेंगे या अपना प्रतिनिधि भेजेंगे। एससीओ शासनाध्यक्षों से पहले वरिष्ठ अधिकारियों की एक बैठक होगी, जिसमें विदेश मंत्री भी शामिल होंगे। पिछले वर्ष जब एससीओ की बैठक गोवा में हुई थी, तो उसमें पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने हिस्सा लिया था। तो क्या भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर इस्लामाबाद आएंगे? भारत के शीर्ष नेतृत्व के पाकिस्तान दौरे को लेकर खबरों का बाजार गर्म है। पाकिस्तानी मीडिया मोदी के स्वागत को लेकर उत्साहित है, ताकि लंबे समय से द्विपक्षीय संबंधों पर जमी बर्फ पिघल सके और रिश्तों में गर्माहट आए। लेकिन विश्लेषकों को आशंका है कि भारत की ओर से कोई भी प्रतिनिधि पाकिस्तान नहीं आएगा।

व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी को पाकिस्तान आकर रिश्तों की गर्मजोशी का संदेश देना चाहिए। वह तीसरी बार मुल्क के प्रधानमंत्री बने हैं और अपनी मजबूतइच्छाशक्ति दिखाकर लोगों को आश्चर्यचकित कर सकते हैं। जैसा कि वर्ष 2015 में काबुल से लौटते

वक्त वह अचानक लाहौर पहुंचे थे, और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की नातिन की शादी में शरीक हुए थे। मुझे याद है, तब इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायुक्त टीसीए राघवन ने अपनी कार में पेट्रोल भरवाया, लेकिन यह सोचकर कि पांच घंटे गाड़ी चलाकर वह समय पर लाहौर एयरपोर्ट नहीं पहुंच सकते हैं, इसलिए सीधे शरीफ परिवार के पैतृक घर पहुंच गए थे। दुर्भाग्य से मोदी के नई दिल्ली लौटने के कुछ दिन बाद ही दो जनवरी, 2016 को पठानकोट एयरबेस पर पाकिस्तानी आतंकियों ने हमला कर दिया, जिसके बाद रिश्ते खराब हो गए।

हालांकि पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने अभी कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन खबरें हैं कि एससीओ की बैठक में चीन के प्रधानमंत्री आएंगे और एससीओ बैठक से अलग द्विपक्षीय मुलाकात भी करेंगे। एससीओ जैसी बैठकें भारत और पाकिस्तान के लिए इन बैठकों से इतर मिलने का एकमात्र माध्यम हैं, लेकिन दुर्भाग्य से पिछले कई वर्षों से दोनों देशों के बीच कोई द्विपक्षीय वार्ता नहीं हुई है। पिछली बार बिलावल भुट्टो जब गोवा गए भी थे, तब भी उनकी भारतीय विदेश मंत्री के साथ अलग से कोई बैठक नहीं हुई थी, जबकि जयशंकर अन्य एससीओ देशों के विदेश मंत्रियों से बड़ी सहजता से मिले थे। एससीओ बैठक द्विपक्षीय मुद्दों का मंच नहीं है, लेकिन वर्ष 2015 में रूस के उफा शहर में हुए एससीओ सम्मेलन से इतर नवाज शरीफ और नरेंद्र मोदी के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई थी और दोनों ने संयुक्त बयान जारी किया था। असल में एससीओ बैठक हो या दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) सम्मेलन, हमेशा सभी की निगाहें इस पर टिकी होती हैं कि क्या भारत और पाकिस्तान के बीच कोई वार्ता होगी या दोनों देशों के शीर्ष नेता हाथ मिलाएंगे?

याद करें, जब 2002 में काठमांडू में हुए सार्क सम्मेलन के दौरान पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ ने खड़े होकर भारत के करिश्माई राजनेता और तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के पास जाकर हाथ मिलाया था। इस बात की दुनिया भर में सराहना हुई थी और दुनिया ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को महसूस किया था। भले ही दोनों देशों के राजनीतिक नेतृत्व निरंतर जारी तनाव को खत्म नहीं कर पा रहे हैं, लेकिन मुझे यकीन है कि अगर एक दिन के लिए भी दोनों मुल्कों के लोगों को मौका दिया जाए, तो हजारों लोग सीमा पार कर एक-दूसरे से मिलने के लिए दौड़ पड़ेंगे, क्योंकि दोनों मुल्कों के आम लोगों में एक-दूसरे प्रति काफी सम्मान और दिलचस्पी है।

विश्व सिनेमा की जादुई दुनिया: हाल मोर जिसने बनाया अपना कैमरा

हाल मोर सिनेमा के जन्म के आस-पास जन्मा था। उसका जन्म 2 अगस्त 1894 को सेन फ्रांसिस्को के मध्य वर्गीय परिवार में हुआ था। इस विशिष्ट शुरुआती दौर के सिनेमाटोग्राफर ने छः दशक तक मोशन पिक्चर में काम किया और 1912 से उसके काम का लेखा-जोखा प्राप्त होता है। यह जानना रोचक है कि इसने अपना कैमरा खुद बनाया, कैसे बनाया इसकी भी कहानी है। कैमरा तब बनाया जब वह स्कूल में था और उसी समय से स्थानीय रुचिकर चीजों की फोटोग्राफी करने लगा। इतना ही नहीं, वह फोटो खुद डेवलप करता और खुद उन्हें प्रिंट करता। मोर ने अपने खींचे-डेवलप और प्रिंट किए फोटो न्यूयॉर्क हेराल्ड-ट्रिब्यून को भेजे और वे इतने अच्छे माने गए कि हॉलीवुड ने उसे आमंत्रण दिया। इस तरह अपनी लगन, परिश्रम और मेधा से वह हॉलीवुड पहुंच गया। वहां शुरू में उसने फ्रीलान्सिंग की फिर उसे सोल लेसेर कम्पनी की जनरल फिल्म्स ने अपने यहां न्यूजरील शूट करने के लिए रख लिया। 1915 में मोर ने हॉलीवुड में काम प्रारंभ किया, पहले यूनिवर्सल में फिल्म कटर और धीरे-धीरे असिस्टेंट फोटोग्राफर बन गया। प्रथम महायुद्ध के समय उसने अमेरिकन सेना के लिए काम किया। बाद में डॉक्यूमेंट्री बनने लगा। 1921 में वह फोटोग्राफी डॉयरेक्टर के पद पर पहुंचा। इस बीच एक साल पेरिस में यूरोपियन फिल्म मेकिंग तकनीक भी सीखी। उसने पॉल लेनी, माइकेल कर्टिज आदि निर्देशकों के साथ काम किया। बूम तथा डॉली शॉट्स का भी एक तरह से उसने अन्वेषण किया।

'द जाज सिंगर', 'बुलेट्स ओर बैलेट्स','द ग्रीन पैस्चर्स', 'कैप्टन ब्लड', 'ए मिडसमर नाइट्स ड्रीम', 'फैंथम ऑफ दि ऑपेरा', 'अनदर पार्ट ऑफ द फोरेस्ट', 'रैंचो नोटोरियस', 'द मैन फ्रॉम द डिनर'स क्लब', 'द लास्ट वोयज' 'द गन अर्नर्स' आदि उसकी फिल्माई कुछ फिल्में हैं। वह अमेरिकन सोसायटी ऑफ सिनेमाटोग्राफर्स का प्रेसीडेंट (1930-31, 1963-65 तथा 1969-70) रहा।

लियोनार्ड मल्टिन ने उसका एक बहुत लंबा साक्षात्कार लिया जो 'दि आर्ट ऑफ द सिनेमाटोग्राफर- ए सर्वे एंड इंटरव्यूज विद फाइव मास्टर्स' में संकलित है। 10 मई 1974 को उसकी मृत्यु हुई। उसे 'ए मिडसमर नाइट्स ड्रीम' तथा 'फैंथम ऑफ दि ऑपेरा' केलिए अकादमी पुरस्कार मिला।

स्वयं उसके अनुसार सैन फ्रांसिस्को के भूकंप तथा आग लगने के समय वह मात्र 11 साल का था। उन दिनों चलचित्र बहुत विरल होते थे और उस समय तक उसने कोई फिल्म नहीं देखी थी। मगर इस दुर्घटना के बाद सारे शहर में यह नया चलचित्र दिखने लगा। यह होने लगा पहले के स्टोर अथवा बेसमेंट में या फिर जल गई इमारतों में। उसने पहली पिक्चर जहां देखी वहां ट्रेन आने और पार होने वाली फिल्म दिखाई जा रही थी। बस इतना ही था। मगर मोर इसके सम्मोहन की गिरफ्त में आ गया। बस वह यही चाहता था। वह जानना चाहता था कैसे ट्रेन आती है और दर्शकों से गुजर जाती है और कोई मरता नहीं है।

उसने हाई स्कूल समाप्त नहीं किया, उसे मूवी थियेटर में आने वाली फिल्म के देखभाल का काम मिल गया। वहीं काम करते हुए उसे एक पुराना छोटा, लगभग खिलौने जैसी एक प्रोजेक्शन मशीन (मोटिओग्राफ का पिछला संस्करण ओप्टिग्राफ) मिल गई। उसने अपने बॉस से वह मांग ली। उसके पास तीस-चालीस फीट के फिल्म रील के टुकड़े थे, मगर लैम्प न था मशीन के सिरे पर दो इंच का प्रोजेक्शन लेन्स था।

उसे उसने एक डार्क बक्से में डाला और उसी से कैमरा बना लिया। जरा भी पैसे मिलते, वह प्रयोग करता। वह चलचित्र बनाने लगा। उसने ट्राइपॉड भी बनाया, इससे उसे अपना कैमरा घुमाने में सहूलियत होने लगी।। डेवलपिंग रूम भी अपने बेसमेंट में बना लिया।

जल्द ही उसने सेन फ्रांसिको में होने वाली घटनाओं के फोटो लेने शुरू किए। इनको वह ओर्फेअम और इम्प्रेस थियेटर में दिखा कर दस-बीस कमाने लगा। कुछ लोग उन दिनों गौमोन्ट कैमरा प्रयोग कर रहे थे। मोर पंद्रह साल का नहीं हुआ था मगर अपने बनाए कैमरे के साथ सब जगह नजर आने लगा। जल्द स्कूल छोड़ कर पूरे समय यही काम करने लगा। ग्रिफिन नाम का एक आदमी सैलिनास घाटी में तेल का व्यापारी था, वह बेकरस्फील्ड के तेल-कुंओं पर फिल्म बनाना चाहता था। उस आदमी ने मोर को काम पर रखा, मोर को यह काम अच्छा लगा। मोर को इस फिल्म बनने का उद्देश्य नहीं मालूम था। वह गंभीरता से अपना काम करने लगा। लेकिन जब पैटेन्ट्स कम्पनी को इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने अपने जासूस मोर के पीछे भेजे।

यह घटना उसके जीवन की सबसे मजेदार घटना है। एक लड़का जो पहले ट्रक ड्राइवर था, उसका सहायक था। उसका काम लोगों को कैमरे के काम के समय दूर रखना था ताकि लोगों को उसके काम की जानकारी न हो और विघ्न भी न पड़े।

उस लड़के ने इन दो जासूसों को भी दूर रखने की कोशिश की। उन दोनों ने मोर को एक दूसरे स्थान पर जा पकड़ा और उसका कैमरा देखने की इच्छा जाहिर की। और लो! मोर ने बेवकूफ की तरह अपना कैमरा बड़े गर्व से उन्हें दिखाया। बस उन्हें और क्या चाहिए था। उन लोगों ने उस पर केस कर दिया। मोर के पिता की कुछ सम्पत्ति थी अत- परिवार नहीं चाहता था वे किसी लफड़े में पड़ें। अत- पिता ने कहा, 'अच्छा होगा तुम उन लोगों को कैमरा दे दो और यह सब भूल जाओ।'

वैसे भी परिवार उनकी इस संलग्नता से नाखुश था। और वे से फ्रांसिस्को के इस अटर्नी के पास अपना कैमरा लेकर पहुंचे। उसने कहा वह इसे लेगा। मोर का उत्तर था, इसे तुम ले सकते हो मगर एक कैमरे के रूप में नहीं। और मोर ने कैमरा जोर से उसके सामने फर्श पर पटक दिया, जो कई दिशाओं में बिखर गया।

सटेरिया बाल्मीक पाठक के ठिकाने पर रेड कार्यवाही

सात सटोरियों को पुलिस ने धर दबोचा मुख्य सटोरिया बाल्मीक पाठक फरार

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, कोतमा पुलिस द्वारा बाल्मीक पाठक के ठिकाने पर रेड कार्यवाही कर 7 सटोरियों के पास से नकदी व सट्टा पर्ची जप्त,,,, आज दिनांक 5 सितंबर 24 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि बाल्मीकि पाठक अपने घर में अपने साथियों के साथ सट्टा पट्टी पर्ची काट रहा है, सूचना की तस्दीक हेतु बताये स्थान पर रेड कार्यवाही की गई मौके से विजय नामदेव पिता रामू प्रसाद उम्र 46 साल निवासी कोतमा मनोज कुमार पिता बाबूलाल सिंह उम्र 55 साल निवासी कोतमा नकूल विश्वकर्मा पिता बबून्ना विश्वकर्मा उम्र 40 साल निवासी बगैहा टोला, हीरा लाल चौधरी पिता शिव प्रसाद उम्र 40 साल निवासी बगैहा टोला लाला शर्मा पिता रामशरण शर्मा उम्र 25साल निवासी कोतमा हमीद पिता राजेंद्र त्रिपाठी उम्र 36 साल निवासी खोडरी नंबर 01 , तथा कमलेश पिता छोटे लाल केवट उम्र 46 साल निवासी पथरौडी के मौके से मिले, तथा बाल्मीकि पाठक पीछे के रास्ते से भागने में कामयाब, उक्त जिनके पास से अलग अलग कुल नगदी 5645/- रूपए सट्टा पर्ची,डाट पेन जप्त किया गया उक्त आरोपियों से पूछताछ करने पर बताये कि सभी ने बाल्मीकि पाठक निवासी कोतमा के कहने पर उसके लिए काम करना बताए उक्त सभी आरोपियों के खिलाफ पृथक पृथक अपराध धारा 4क सट्टा एक्ट एवं 61 बीएनएस के तहत प्रत्येक मामले में बाल्मीकि पाठक के विरुद्ध भी अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया बाल्मीकि पाठक के खिलाफ थाना कोतमा में पूर्व से सट्टा के 19 अपराध वर्ष 2015 से पंजीबद्ध है सभी मामले में माननीय न्यायालय से जुर्माना भी हुआ है आरोपी आदतन अपराधी है उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतमा निरीक्षक सुन्द्रेश सिंह अकबर खान कपिल उईके, संजीव त्रिपाठी, आर.चक्रधर, आर. धर्मेंद्र जाटव, म.आर. पिंकी प्रजापति, कंचन चौहान आर. दिनेश की विशेष भूमिका रही है

जिले के समस्त आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) केंद्रों पर लगाए गए वृद्धावस्था शिविर

वृद्ध नागरिकों की आयुष विभाग द्वारा विभिन्न पैथोलॉजिकल जांचे कर दी गई दवा

आदित्य द्विवेदी। सिटी चीफ भिंड, मध्यप्रदेश शासन आयुष विभाग द्वारा राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत आज दिनांक 05 सितम्बर 2024 सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में वृद्धजनों के स्वास्थ्य की देखभाल करने और उनकी विभिन्न व्याधियों के निदान करने तथा उनकी वृद्धावस्था जन्य व्याधियों जैसे उच्च रक्तचाप, मधुमेह, रक्ताल्पता आदि के परीक्षण के लिए शिविर का आयोजन किया गया। इसी तारतम्य में जिला आयुष अधिकारी डॉ नीलम कुशवाह के नेतृत्व में आयुष विभाग द्वारा सम्पूर्ण जिले के आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) केंद्रों पर जरावस्था (वृद्धावस्था) शिविर आयोजित किए गए। शिविर के नोडल अधिकारी डॉ नभ किशोर चौधरी ने कहा कि इन शिविरों का आयोजन भिण्ड जिले के दुल्हागन, नुन्हाटा, बिलाव, सगरा, एंडोरी, बरहद, पिडोरा, जमसारा, भवनपुरा, अकोड़ा, मुरावली, पिपरसाना, सोनी, कनाथर, कनावर, मानहड़, कचनाव कला, आलमपुर, मछण्ड तथा खेरा ग्राम में किया गया। इन शिविरों में संबंधित क्षेत्रों में निवासरत वृद्ध नागरिकों की आयुष विभाग द्वारा विभिन्न पैथोलॉजिकल जांचे जैसे ब्लड, शुगर, ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन, वेट आदि का परीक्षण कर उनको मधुमेह, उच्च रक्त चाप, रक्ताल्पता, उदर संबंधी रोगों जैसे लिवर की समस्या, अर्श, पेट साफ न होना, जोड़ो में दर्द, आम वात, संधिवात आदि व्याधियों का परीक्षण कर न केवल दवा दी गई बल्कि उन्हें आहार विहार, योग प्रशिक्षक द्वारा योग परामर्श प्रदान किया गया, साथ ही उनको अगली बार फ़ॉलो अप में कब आना है क्या-क्या सावधानियां रखनी है इन सबके बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

कटनी में शराब दुकान के विरोध में बजरंग दल ने करा प्रदर्शन

सड़क पर बैठकर करा हनुमान चालीसा का पाठ

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी कोतवाली थाना क्षेत्र घंटाघर स्तिथ शराब दुकान के सामने बजरंग दल के पदाधिकारी व कार्यकर्ता एकत्र हुए और अचानक नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन करने लगे। प्रदर्शन के दौरान उन्होंने पहले तो दुकान के सामने दोनों तरफ का आवागमन बन्द कर दिया उसके बाद जमकर नारेबाजी की। देखते-देखते बजरंगी शराब की दुकान में घुस गए और दुकान की शटर बन्द करते हुए सड़क पर धरने पर बैठ गए। इस दौरान उन्होंने सड़क पर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ भी किया। बजरंग दल के धरना प्रदर्शन के कारण यहां बुरी तरह जाम लग गया। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने मोर्चा संभाला, इस दौरान एसडीएम और तहसीलदार भी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया। बजरंग दल के लोग हनुमान जी के मंदिर के सामने से दुकान को हटा कर कहीं और स्थानांतरित करने की बात पर आड़े रहे। बाद में एस डी एम के द्वारा एक सप्ताह में कार्यवाही का आश्वासन दिया, जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ। यहां आपको बता दे कि घंटाघर की यह दुकान लगभग ढाई साल से संचालित है, आधा सत्र बीत जाने के बाद बजरंग दल के लोगो का अचानक प्रदर्शन करना चर्चा का विषय बना रहा।

शिक्षक दिवस पर कजंई सरपंच ने तिलक वंदन कर शिक्षकों का साल श्रीफल से किया सम्मान

कार्यक्रम में प्रमुख रूप शिक्षक शिक्षिकाओं व रोजगार सहायक, उपसरपंच व समस्त पंचगण उपस्थित रहे हैं

लालबर्रा, जनपद पंचायत अन्तर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कजंई के सभागार में 5 सितंबर दिन गुरुवार को शिक्षक दिवस बहुत ही शानदार तरीके से मनाया गया जिसमें सर्वप्रथम मां सरस्वती जी,महात्मा ज्योतिबाराव फुले, माता सावित्रीबाई फुले, संविधान निर्माता डॉ भीमराव आंबेडकर व सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी कि प्रतिमा पर पूजन अर्चन कर स्वागत गीत गुरु वंदना कर कार्यक्रम कि शुरुआत हुई वहीं ग्राम सरपंच श्री आनंद बिसेन ने शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल,एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला कजंई व दिव्या शांति निकेतन के सभी शिक्षकों का सम्मान समारोह आयोजित कर सभी को श्रीफल एवं उपहार भेंट किया गया वहीं शिक्षकों ने भी सरपंच का तहदिल से आभार प्रकट किया वहीं ग्राम सरपंच श्री आनंद बिसेन ने मिडिया से चर्चा करते हुए कहा कि शिक्षकों का हमारे जीवन में बहुत बड़ा महत्व होता है गुरु से हमें माता-पिता के बाद शिक्षा ग्रहण करने की दिशा में संस्कारवान शिक्षा के साथ-साथ उच्च शिक्षा भी प्राप्त होता है शिक्षक ही हमारे गुरु है जो हमें मार्गदर्शन दिखाते है अगर हमारे जीवन में गुरुओ का महत्व नही होता तो हमें ज्ञान प्राप्त नही होता बिना गुरु के शिक्षा ग्रहण नही किया सकता है वहीं कार्यक्रम का सफल मंच संचालन पंचायत सचिव होमेश्वर ठाकरे ने किया है तथा इस सफल कार्यक्रम आयोजित हेतु सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने ग्राम सरपंच श्री आनंद बिसेन जी का आभार भी प्रकट किये है। वहीं इस दौरान प्रमुख रूप शिक्षक शिक्षिकाओं व रोजगार सहायक, उपसरपंच व समस्त पंचगण उपस्थित रहे हैं।

गुड़ई करो, कब्जे करो, भ्रष्टाचार करो

माफिया पालो और भाजपा ज्वाइन करो - डा.भारद्वाज

आदित्य द्विवेदी । सिटी चीफ भिण्ड, भाजपा के सदस्यता अभियान पर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता डा.अनिल भारद्वाज ने तंज कसते हुए कहा कि आज भाजपा सरकार अघोषित तानाशाह की तरह देश और प्रदेश में कार्य कर रही है इस सरकार में न नोजवानो का भविष्य सुरक्षित बचा है,और न बच्चियों, महिलाओ का ,एक तरफ लगातार आदिवासियों पर अन्याय अत्याचार किया जा रहा है,तो दूसरी तरफ बच्चियों और महिलाओं पर बलात्कार और छेड़खानी की घटनाओं ने कानून व्यवस्था की पोल खोल दी है तो दूसरी तरफ रिमोट कंट्रोल से चलने वाले मुख्यमंत्री मोहन यादव की अगुवाई वाली भाजपा सरकार और उसकी पार्टी भ्रष्टाचारियों, बलात्कारियों गुंडों माफियाओं को भाजपा की सदस्या की खुली छूट देकर उन्हें अपनी पार्टी की सदस्यता दिलाने में अपना गौरव मान रही है। श्री भारद्वाज ने कहा कि आज हर वर्ग भाजपा सरकार में परेशान है। नौजवान,छात्र,व्यापारी,किसान व महिलाएं भी उत्पीडऩ के विरुद्ध न्याय के लिए त्राहि त्राहि कर रहे है व यह सरकार किसी भी वर्ग के लिये हितकारी नही है। इसलिए आम जनता भाजपा के मिस्ड कॉल वाली सदस्यता से दूरी बनाकर जनता से किए मिस्डकाल वाले वादों को याद दिलाए।

कलेक्टर ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर ग्राम भूरी का किया औचक निरीक्षण

मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी ली

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर ग्राम भूरी में आयोजित स्वास्थ्य शिविर का औचक निरीक्षण किया। मरीजों और उनके परिजनों से चर्चा की, उनकी समस्याए सुनी तथा मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर पंजीयन रजिस्टर, पंचकर्म कक्ष सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

कलेक्टर ने कहा यहां पर कैंप देखने के लिए आया हूँ और काफी बड़ी संख्या में लोग उत्साह पूर्वक आ रहे हैं। अभी तक लगभग 30-35 लोगों के रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। मुझे उम्मीद है कि यहां जो स्वास्थ्य शिविर चल रहा है उससे वृद्धजन लाभ उठाएंगे। ऐसा ही एक कैंप आज शहरी क्षेत्र में वृद्धाश्रम में भी लगाया गया था। जहाँ पर लगभग 35 बुजुर्गों ने इसका लाभ उठाया। मरीजों को दवाइयाँ भी निःशुल्क दी जा रही हैं। इस अवसर पर जिला आयुष अधिकारी डॉ राजकुमार पटैल के साथ आयुष डॉक्टर की टीम और स्वास्थ्य कर्मचारीगण मौजूद थे।कलेक्टर ने कहा राज्य शासन के निर्देश पर आज जिले में 15-16 स्थानों पर आयुष विभाग के माध्यम से विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया हैं। इसमें मुख्य रूप से 60 साल से अधिक की उम्र के वृद्धजन खासतौर से ग्रामीण क्षेत्रों में जो रह रहे हैं, उनका पूरा स्वास्थ्य परीक्षण हो रहा हैं। बी.पी., शुगर और दूसरी अलग-अलग बीमारियां जैसे किसी को घुटनों में समस्या हैं और भी शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं है, उन समस्याओं के लिये यहां पर आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक उपचार की व्यवस्था की गई है। जिले में आज स्वास्थ्य शिविर दमोह विकासखंड में बिलाई, भूरी और झापन, जबेरा में बनवार, माला बम्होरी और चंडी चोपड़ा, पथरिया में सीतानगर और सदगुवाँ, बटियागढ़ में फतेहपुर, हटा ब्लॉक में रजपुरा, मुहरई और गैसाबाद, पटेरा ब्लाक में पटेरा और तेंदूखेड़ा में झलौन और सर्रा में यह विशेष शिविर आयोजित किये गये।

धार्मिक पर्व में विशेष सफाई प्रारंभ

आवारा पशुओ पर कार्यवाही -युवा सरपंच अनीस खान

लालबर्रा। ब्लॉक मुख्यालय की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा द्वारा प्रतिवर्ष धार्मिक पर्व के अवसर पर विशेष अभियान चलाकर साफ सफाई कार्य किया जाता है जिसके अंतर्गत जिन स्थानों पर मूर्ति स्थापना होती है उस स्थल की साफ सफाई इत्यादि कार्य किये जाते हैं साथ ही ग्राम पंचायत अंतर्गत जिस भी बिजली पोल में स्ट्रीट लाइट बंद या बिगड़ी हो उसका भी सुधार कार्य प्रारंभ है। लालबर्रा के युवा सरपंच अनीस खान ने आवारा पशु मालिको को आगाह करते हुए बताया कि हमारे द्वारा लगातार आवारा पशुओं को खुले छोड़ने पर मुनादी व प्रचार प्रसार कर लोगो को आगाह किया जा रहा है विगत दिनों लालबर्रा मुख्यालय में सड़क पर घूम रहे आवारा पशुओं को गौ शाला भी भेजा गया था अब यह कार्यवाही पुनः प्रारंभ की जाएगी जिसके जिम्मेदार स्वयं आवारा पशु मालिक होंगे। आवारा पशू सड़क पर बैठते हैं जिससे दुर्घटनाएं तो होती ही है साथ ही रात में आवारा पशुओं द्वारा किसानों के खेत में जाकर उनकी फसल को भी नुकसान पहुँचाया जा रहा है इस हेतु सभी पशु मालिको से अपने पशुओं में घर में ही बांधकर रखने कहा गया है।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने आज 07 आंगनबाड़ियो का जायजा लिया

सहायक संचालक, सीडीपीओ और सुपरवाईजर को निर्देशित किया कि प्रातः 9 बजे आंगनबाड़ी खुलें

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।

दमोह, जिले की आंगनवाड़ियों में बच्चों को समय पर नाश्ता मिले, समय पर भोजन मिले, बच्चों के वजन की, टीकाकरण की स्थिति की जांच हो, आंगनवाड़ी समय पर खुले इस उद्देश्य से कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने शहरी क्षेत्र की आंगनबाड़ियों का जायजा लिया। उन्होंने कहा गत दिवस ग्रामीण क्षेत्र इमलाई का दौरा किया था। आज शहरी क्षेत्र की लगभग सात आंगनवाड़ियों का भ्रमण किया है। एक आंगनवाड़ी में अव्यवस्थाएं पाये जाने पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए है। इसके अलावा बाकी आंगनवाड़ियों में जो-जो कमियां पाई गई, उनके बारे में संबंधित अधिकारियों को ताकीद किया है और लगातार इस तरीके के निरीक्षण हमारे स्तर से चलते रहेंगे। उन्होंनें जिला कार्यक्रम अधिकारी और सहायक संचालक सी.डी.पी.ओ. और सुपरवाइजर सभी को निर्देशित किया है कि प्रतिदिन सुबह 9 बजे आंगनवाड़ी खुलें, बच्चों को नाश्ता और खाना मिले, इसकी पूरी चिंता करनी है। कलेक्टर ने आज दमोह के शहरी क्षेत्र के आंगनबाड़ी केन्द्रों का भ्रमण प्रातः 9 बजे से किया गया। कलेक्टर द्वारा शहरी क्षेत्र के ऐसे आंगनबाड़ी केन्द्रों का भ्रमण प्राथमिकता से किया गया जिनके संचालन में समस्याएं आ रही थी। प्रातः 9 बजे आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-16 रानी अवंती बाई वार्ड 7 का निरीक्षण किया गया, वहां आंगनबाड़ी भवन निर्माण हेतु तत्काल भूमि आवंटित करने की कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अलावा छत्रसाल वार्ड 6, गुरु नानक वार्ड क्रमांक 10, जयप्रकाश नारायण वार्ड, गौरी शंकर वार्ड में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों का भी निरीक्षण किया गया। आंगनबाड़ी केंद्रों के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर कोचर द्वारा स्व-सहायता समूह द्वारा वितरित नाश्ता एवं भोजन की गुणवत्ता नियम अनुसार समय से वितरण की जानकारी भी ली गई एवं स्वयं नाश्ता भोजन चख कर भी देखा। आंगनबाड़ी केन्द्रों पर संधारित होने वाली विभिन्न पंजियों गर्भावस्था एवं प्रसव पंजी, टीकाकरण पंजी, पोषण आहार वितरण पंजी, वजन रजिस्टर आदि का अवलोकन किया गया एवं प्रविष्ट जानकारी का स्वयं समक्ष में वजन एवं ऊंचाई माप कर सत्यापन भी किया गया। आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 72 रानी अवंती बाई वार्ड 7 पर एक भी बच्चा उपस्थित न मिलने एवं परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षक द्वारा बार-बार निर्देशित करने के बाद भी कार्यों में सुधार न लाने पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शबाना खान एवं आंगनबाड़ी सहायिका पर सेवा समाप्ति की कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 21 गुरु नानक वार्ड 10 में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता लक्ष्मी सारवान द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र का नियमित संचालन एवं पंजियों के व्यवस्थित संधारण के लिये कलेक्टर द्वारा प्रशंसा की गई एवं आंगनबाड़ी केंद्र को एक मॉडल केंद्र के रूप में तैयार करने के लिए आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया।

अति. महाधिवक्ता बनकर शिष्य ने शिक्षक दिवस पर अधिवक्ता गुरू को दी गुरू दक्षिणा

शहर के सोनल गुप्ता के महाधिवक्ता नियुक्त होने पर प्रेस क्लब ने समारोह आयोजित कर किया सम्मानित

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर, शिक्षक दिवस पर विद्यार्थी जहां अपने गुरू का सम्मान कर रहे थे। वहीं प्रेस क्लब ने भी ऐसे शिष्य का सम्मान किया, जिसने अपने गुरू के पदचिन्हों पर चलकर उनसे भी बड़ा पद हासिल कर उन्हें गुरूदक्षिणा दी। इस अनूठे अवसर पर प्रेस क्लब द्वारा न सिर्फ शिष्य का बल्कि उनके गुरू को भी मंच से सम्मानित कर एक मिसाल पेश की। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक चौहान ने कहा कि सफलता किसी एक की नहीं होती बल्कि उसकी होती है जो खुद को उसके काबिल बनाता है। सोनल गुप्ता ने अपनी लगन और मेहनत से इसे साबित भी किया है जिन्होंने इंदौर हाईकोर्ट में अति. महाअधिवक्ता नियुक्त होकर शहर को गौरवान्वित किया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता नारायणप्रसाद पांडे ने कहा कि आज शिक्षक दिवस पर शिक्षक का सम्मान होता है, लेकिन आज मेरे लिए गौरव का विषय है कि मैं अपने शिष्य के सम्मान समारोह में अपने शिष्य के साथ मंच साझा कर रहा हूं। उन्होंने अति. महाधिवक्ता श्री गुप्ता को लेकर कहा कि ऐसे शिष्य मिलना वाकई सौभाग्य की बात है। कार्यक्रम को प्रेस क्लब संरक्षक सुनील नाहर, मनोज पुरोहित, संजय वर्मा, मनोज नारेलिया, राजेश नागर व इमरान खरखरे ने भी संबोधित किया। स्वागत भाषण प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक चौहान ने दिया। अतिथि परिचय प्रेस क्लब उपाध्यक्ष मंगल नाहर ने कराया। इस अवसर पर प्रेस क्लब सचिव नीलेश वर्मा, सह सचिव पं. गोविंद शर्मा, संगठन मंत्री अजय गोस्वामी, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र भावसार, प्रचार मंत्री फय्याज खान, पत्रकार अनिल मुकाती, पीयूष भावसार, संजय राठौर, मिर्जा मोहसिन बेग, सुमित भावसार, हरीश कुशवाह, पवन चौहान, विकास सिंदल, आशुतोष चोपड़ा, साजिद कुरैशी, अनुराग श्रीवास्तव, रोहित विश्वकर्मा, मोनू गवली तथा गणेश गवली ने भी श्री शिवहरे का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रवक्ता मनीष सोनी ने किया तथा आभार डॉ. शुभम गुप्ता ने माना। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित।

भारतीय जीवन बीमा निगम कार्यालय में लगा रक्तदान शिविर, 25 यूनिट ब्लड हुआ एकत्रित

ब्लड बैंक को सशक्त करने के लिए हर माह रक्तदान शिविर बड़े पैमाने पर आयोजित होंगे: कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर

धीरज कुमार कुमार । सिटी चीफ । दमोह, पिछले जुलाई माह से रक्तदान की मुहिम चलाई है। पहला शिविर रक्तदान का 30 जुलाई को कलेक्टर कार्यालय में लगाया गया था जिसमें 21 यूनिट ब्लड संग्रहित हुआ था। इसके बाद दूसरा शिविर 28 अगस्त को लगाया गया जिसमे बैंकर्स ने लगभग 80 यूनिट ब्लॅड डोनेट किया था और आज इसी श्रृंखला में तीसरे महीने का तीसरा शिविर भारतीय जीवन बीमा निगम (एल.आई.सी.) के कार्यालय में लगाया गया, जिसमें लगभग 25 यूनिट ब्लॅड आज भी इकट्ठा हुआ है। यह बात आज कलेक्टर कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर एलआईसी में आयोजित रक्तदान शिविर में कही। रक्तदान शिविर में एसडीएम आर एल बागरी मौजूद थे। कलेक्टर श्री कोचर ने कहा आज भ्रमण किया है और बड़ी खुशी की बात है कि एल.आई.सी के बैंकर्स और हमारे शासकीय अधिकारी-कर्मचारी रक्तदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं और इसमें दो-तीन बड़े रक्तदाता जैसे दीपक जी हैं और एक और रक्तदाता है जिन्होंने 22 बार रक्तदान किया है, वो भी यहाँ उपस्थित रहे। उन्होंने कहा हर महीने एक रक्तदान शिविर आयोजित किये जायेंगे, जो बड़े पैमाने पर होंगे। हमने ब्लॅड बैंक को सशक्त करने का काम कर रहे हैं, ताकि ब्लड की एक-एक बूंद सही व्यक्ति को मिले। इसी महीने में रक्तदाताओं की एक बड़ी बैठक बुला रहे हैं, जितने यहाँ के बड़े रक्तदाता हैं जो नियमित रूप से रक्तदान करते हैं, उनको बुला रहे हैं। उनके सजेशन लेंगे और रक्तदान की प्रक्रिया को कैसे और बेहतर बना सकते हैं और इसके आगे नेत्रदान और देहदान जैसी चीजों को बढ़ावा देने के लिए कैसे काम कर सकते हैं, इनके साथ बात करेंगे। यह हर महीने एक सिलसिला हमारा चलेगा। शाखा प्रबंधक पंकज पुनासे ने पूरी टीम को धन्यवाद देते हुए कहा हमारे छोटे से निमंत्रण पर सभी तुरंत रक्तदान के लिये उपलब्ध हो गए हैं, आज 25 यूनिट ब्लड एकत्रित हुआ है। बीमा सप्ताह जिसे हम एक पर्व के रूप में बनाते हैं, कोशिश रहेगी आज ज्यादा से ज्यादा रक्तदान करें ताकि आपके क्षेत्र में भी एलआईसी शाखा दमोह का नाम हो। डॉ. विशाल सोनी ने कहा रक्तदान महादान है, यह ऐसी चीज है जो बनाई नहीं जा सकती है इसके कंपोनेंट में आरबीसी, डब्ल्यू.बी.सी. और प्लेटलेट्स होते हैं। प्लेटलेट्स की लाइफ 4 से 5 दिन होते हैं वह चार-पांच दिन बाद खत्म हो जाते हैं और फिर नए सिरे से बनते हैं। आरबीसी 120 दिन में बन जाती हैं और डब्ल्यू.बी.सी. 12 से 15 दिन में फिर से रिप्लेस हो जाते हैं। यदि हमने रक्तदान किया तो उससे कुछ नहीं होता है 120 दिन बाद पूरा के पूरा ब्लड नया बन जाता है इसके अलावा रक्तदान करने से हार्ट अटैक के संभावना कम हो जाती हैं, इससे कोई नुकसान नहीं है फायदा ही है। उन्होंने कहा हमें जिस चीज की जरूरत है वह बढ़ जाएगी जैसे एक्सरसाइज करेंगे तो मसल्स स्ट्रांग हो जाएगी, यदि किसी चीज को याद करने की कोशिश करेंगे तो याददाश्त बढ़ेगी वैसे ही रक्तदान करने से रक्त बनने की स्पीड तेज हो जाती है। इसमें कोई नुकसान नहीं है कि हमारा कोई कंपोनेंट चला गया है वह और तेजी से बनने लगता है, जो भी चीज नई बनेगी वह ज्यादा अच्छी होगी। रक्तदाता दीपक जैन ने कहा एलआईसी में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया है। यह अपने आप में बड़े गौरव की बात है कि कलेक्टर सर जिनका लक्ष्य है कि हर महीने रक्तदान शिविर का आयोजन हो, यह तीसरा महीना है और सभी के सहयोग से रक्तदान शिविर लग रहा है। उन्होंने कहा दमोह में लगभग 40 थैलेसीमिया के बच्चे है, किसी बच्चे को 8 दिन में, किसी बच्चे को 15 दिन में, किसी को एक महीने में निरंतर ब्लॅड लगता है, उस परिवार की स्थिति क्या होगी, जिसका बेटा थैलेसीमिया से पीड़ित है, ऐसे लोगों के लिए ही हम और रक्तदाता आगे आते हैं, उनके लिए यह रक्त उपयोग में आता है। यदि 8 दिन में बच्चों को रक्त नहीं मिलेगा तो कुछ भी घटना घट सकती है। थैलेसीमिया एक मेजर बीमारी है जिसके कारण शरीर में ब्लॅड नहीं बनता है, ऐसे बच्चों के लिए हम रक्तदान करें। कई बार आकस्मिक स्थितियों में मातृशक्ति को ब्लॅड की आवश्यकता पड़ती है, उनके लिए रक्तदान करें और कई बार एक्सीडेंटल केस में ब्लॅड की आवश्यकता पड़ती है, इसलिए रक्तदान करें। रक्तदान शिविर का शुभारंभ टिशु कल्चर लैब एवं सचदेवा नर्सरी के संचालक अभय सचदेवा, शाखा प्रबंधक पंकज पुनासे, प्रबंधक प्रशासन शजलज गुप्ता , प्रशासनिक अधिकारी सुनील जैन, श्रीकांत गौतम, अभिषेक जैन एवं वरिष्ठ अभिकर्ता रमेश खरे के द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बी.के.एस.एन गवर्नमेंट कॉलेज शाजापुर में मनाया गया शिक्षक दिवस

जनभागीदारी अध्यक्ष ने किया महाविद्यालय के गुरूजनों का सम्मान

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ । शाजापुर, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बी.के.एस.एन गवर्नमेंट कॉलेज शाजापुर में भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्ण का जन्म दिवस शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम की शुरूआत, माँ सरस्वती, युवा प्रेरणा पुरूष स्वामी विवेकानंद तथा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्ण जी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीपप्रज्जवलित कर की गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के जनभागीदारी अध्यक्ष श्री विपुल जी कसेरा द्वारा महाविद्यालय के गुरूजनों का मोतियों की माला पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी.एस.विभूति ने की। श्री कसेरा जी ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्ण के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ. बी.एस.विभूति ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्ण जी के जीवन चरित्र से विद्यार्थियों को रूबरू कराया और कहा कि विद्यार्थियों को सफल होने हेतु अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर आगे बढ़ने के लिए 'विद्यार्थी गुणों को अपनाना होगा। इसके साथ ही उन्होने महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिये जारी किए गए निर्देशों का पालन करने को कहा वहीं एनसीसी प्रभारी डॉ वी.पी.मीणा ने विद्यार्थियों को शिक्षक दिवस का महत्व बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वी.पी. मीणा ने किया।

मक्सी पुलिस को मिली बड़ी सफलता

मुखबिर की सूचना पर पकड़ी 75 लीटर अवैध शराब, आरोपी गिरफ्तार

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर, मक्सी पुलिस ने अवैध शराब पकडने में कामयाबी हासिल की है। थाना प्रभारी भीमसिंह पटेल द्वारा एक टीम गठित की गई थी। टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम सूरजपुर तरफ से एक सफेद रंग की स्वीफ्ट डिजायर कार में कुछ लोग बेठे हैं जो अवैध शराब लेकर देवास की ओर जा रहे हैं। सूचना पर पुलिस ने आरोपियों की ग्राम झौंकर से सूरजपुर जाने वाले रास्ते पर घेराबंदी की। इस दौरान अंधेरे का फायदा उठाकर कार चालक फरार हो गया, जबकि अन्य लोग पकड़े गए। पकड़े गए आरोपियों ने अपने नाम नाजिम उर्फ कांचा पिता सनावर भिश्ती उम्र 27 साल निवासी बड़ी मस्जिद के आगे हनुमान मंदिर के पास नौसराबाद कालोनी देवास, फिरोज पिता शेख ग्यासुद्दीन उम्र 24 साल निवासी मल्हारगंज इंदौर, अबकर हुसैन पिता अनवर हुसैन उम्र 21 साल निवासी मल्हार पल्टन इंदौर का होना बताया। इस दौरान चेकिंग करने पर कार की डिक्की से करीब 75 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब कीमत 7500 रुपये बरामद की गई। वहीं स्वीफ्ट कार जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने 03 सितंबर 2024 को ग्राम मदाना सलसलाई से भी 06 बकरियां चोरी करने की बात स्वीकार की है। फिलहाल आरोपियों से शराब को लाने और ले जाने संबंधी पूछताछ की जा रही है।

मो. बड़ोदिया एवं कालापीपल की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को दिया पोषण वाटिका का प्रशिक्षण

डॉ गायत्री रावल : कुपोषण एवं एनिमिया के कई कारण हैं, जिसकी जड़ें समाज में गहराई से जुड़ी हैं

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ । शाजापुर, कृषि विज्ञान केंद्र शाजापुर में आयोजित चार दिवसीय पोषण वाटिका प्रशिक्षण कार्यशाला के अंतिम दिवस परियोजना मोहन बड़ोदिया एवं कालापीपल के सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों की कार्यकर्ताओं को पोषण वाटिका स्थापित करने के लिए प्रशिक्षण दिया गया। कार्यकर्ताओं को पोषण संवर्धन कार्ययोजना पर डॉ गायत्री रावल द्वारा बताया गया कि कुपोषण एवं एनिमिया के कई कारण हैं, जिसकी जड़ें समाज में गहराई से जुड़ी हैं। समाज में खाद्यान की कोई कमी नहीं है, मगर खाद्यान के प्रति जागरूकता की आवश्यकता है। उन्होने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों पर उपलब्ध जमीन पर सीजनल पौधे अवश्य लगाएं एवं आज की आवश्यकता अनुसार पोषण वाटिका का निर्माण करें, पौधों की उचित वृद्धि के लिए वर्मी कम्पोस्ट खाद का उपयोग करें। पोषण जीवन के हर चरण में स्वास्थ्य व कल्याण के लिए आवश्यक है, इसलिए ताजे फल, सब्जियां खाने में अवश्य शामिल करें। उन्होने कहा कि प्रोटीन का मुख्य स्त्रोत सोयाबीन है जिसका दैनिक जीवन में उपयोग करना चाहिए। साथ ही खाद्य पदार्थों के बारे में उचित सलाह देकर दैनिक खानपान में प्रोटीन, विटामिन, आयरन युक्त पदार्थों का सेवन करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। डॉ गायत्री द्वारा कार्यकर्ताओं को पोषण वाटिका, केचुआ खाद निर्माण की विधि बताई गई तथा प्रेक्टिकल विजिट कारवाई गई। इस मौके पर वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ जीआर अंबावतिया ने कार्यकर्ताओं को पोषण का महत्व समझाते हुए पोषित सब्जियों, फलों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होने बताया कि किस प्रकार कम जगह में भी सब्जियों का उत्पादन आवश्यकता अनुसार किया जा सकता है। प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी नीलम चौहान ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को ग्राम स्तरीय बाल संरक्षण समिति पर विस्तार से जानकारी देते हुए गांव में बाल अपराध रोकथाम एवं बाल संरक्षण मुद्दों के बारे में बताया। विभाग द्वारा चलाई जा रही शोर्या योजना, शोर्या दल के कर्तव्यों के बारे में भी जानकारी दी। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को निर्देशित करते हुए कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों के संचालन के साथ ही पोषण संबंधी गतिविधियों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं करें। ऋतु अनुसार सब्जियां, फलों का रोपण कर समय-समय पर उनकी देखभाल प्राकृतिक तरिके से करना सुनिश्चित करें।

शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल दुपाड़ा में मिशन वात्सल्य अंतर्गत मिशन शक्ति पर कार्यशाला सम्पन्न

कार्यशाला में बालिकाओं को वन स्टॉप सेंटर सहित नारी सुरक्षा, नारी सम्मान एवं गनारी शक्ति पर विस्तृत जानकारी दी गई

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर, महिला बाल विकास विभाग द्वारा कलेक्टर ऋजु बाफना के निर्देशानुसार पोषण माह अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल दुपाड़ा में मिशन वात्सल्य अंतर्गत मिशन शक्ति पर कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में पर्यवेक्षक कौशल्या श्रीमाली के द्वारा बालिकाओं को वन स्टॉप सेंटर सहित नारी सुरक्षा, नारी सम्मान एवं गनारी शक्ति पर विस्तृत जानकारी दी गई। पर्यवेक्षक आशा जांगड़े द्वारा बालिकाओं को गुड टच, बैड टच के बारे में बताया गया। साथ ही बालिकाओं को अच्छे खानपान, स्वास्थ्य के बारे में बताया गया। बालिकाओं को पीसीपीएनडीटी एवं पाक्सो एक्ट यानी लैगिंक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई तथा किसी भी हिंसा से पीड़ित महिला डायल 100, 1098 एवं 181 पर संपर्क करें। बालिकाओं को उदिता योजना अंतर्गत माहवारी के समय स्वच्छता रखने एवं सेनेटरी नैपकिन उपयोग करने के फायदे बताए गए। साथ ही बालिकाओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया गया। परियोजना अधिकारी पंकजकुमार दवे ने बालिकाओं को पोषण के संबंध में तथा हीमोग्लोबिन खून की कमी के बारे में जानकारी दी। खून की पूर्ति के लिए फल, पालक, हरी सब्जी, टमाटर, अनार, चुकंदर आदि का नियमित सेवन करने की सलाह दी गई। स्कूल प्राचार्य पालीवाल ने कहा कि आयरन की कमी के कारण बालिकाओं में थकान आना, कमजोरी मेहसूस होना, चिड़चिड़ापन होना, पढने में मन नही लगना आदि कारण दिखते हैं। ऐसे में बालिकाएं आयरन के प्रति सजक रहें। उन्होने कहा कि हीमोग्लोबिन का प्रतिशत 12 प्रतिशत से 14 प्रतिशत के बीच में होना चाहिए, इसका विशेष ध्यान रखें। कार्यक्रम में स्कूल स्टॉफ, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं स्कूल की बालिकाएं उपस्थित थीं।

इण्डस्ट्रीयल इस्टेट में उद्योग विभाग द्वारा बनाई जा रही सडकों एवं नालों के कार्य को ठेकेदार द्वारा शिथिल गति से करने के चलते पानी की निकासी नहीं हो पाने पर चिंता व्यक्त की गई

नए सदस्यों डा. आर.पी. खोराना, देवीदयाल शर्मा एड., अमन भसीन का माल्यार्पण एवं पटका पहनाकर स्वागत किया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ । देवबंद, आई.आई.ए. की मासिक बैठक के. एल. जनता इण्टर कॉलेज में आयोजित हुई। बैठक में चैप्टर चेयरमैन पंकज गुप्ता ने इण्डस्ट्रीयल इस्टेट में उद्योग विभाग द्वारा बनाई जा रही सडकों एवं नालों के कार्य को ठेकेदार द्वारा शिथिल गति से करने के चलते पानी की निकासी नहीं हो पाने पर चिंता व्यक्त की गई। बरसात में पानी फैक्ट्रियों के अन्दर आ जाता है जिसके चलते बैठक में निर्णय लिया गया कि जल्द ही उद्योग विभाग से सम्पर्क कर कार्य को अतिशीघ्र सम्पन्न कराने के लिए कहा जायेगा। बैठक में आई.आई.ए. के सदस्यों की संख्या बढोतरी पर भी जोर दिया गया ताकि आई.आई. ए. देवबन्द और अधिक मजबूती के साथ कार्य कर सके। इस दौरान डा. आर.पी. खोराना, देवीदयाल शर्मा एड., अमन भसीन नए सदस्यों का माल्यार्पण एवं पटका पहनाकर स्वागत किया गया। बैठक में पूर्व चेयरमैन दीपकराज सिंघल ने कहा कि आई.आई.ए. उद्यमियों का एक बहुत ही मजबूत संगठन है जो उद्यमियों की समस्याओं का निवारण कराने में सक्षम है।सचिव कुणाल गिरधर ने इण्डस्ट्रीयल इस्टेट में पुलिस गश्त साइड वाली फैक्ट्रियों की रोड पर भी कराने की मांग की गई क्योंकि असामाजिक तत्व रात्रि में घूमते रहते हैं जिससे किसी भी अप्रिय।घटना की उद्यमियों को आशंका बनी रहती है। पूर्व चेयरमैन जर्रार बेग ने कहा कि नये सदस्यों के आने से आई.आई.ए. और भी मजबूती के साथ कार्य करेगा। बैठक में पूर्व चेयरमैन विजय गिरधर, पूर्व चेयरमैन अंकुर कंसल, उप चेयरमैन शिवम सिंघल, कोषाध्यक्ष सचिन छाबडा, पुनीत बंसल, अश्वनी मित्तल, अंकित गर्ग, ऋषि कपूर, प्रवीण धीमान आदि उद्यमी शामिल रहे।

के एल जनता इंटर कॉलेज देवबंद में शिक्षक दिवस बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया, प्रबंध समिति की ओर से सभी शिक्षकों का पारितोषिक देकर अभिनंदन किया गया

शिक्षक दीए की तरह अपने आप को जलाकर छात्रों का सर्वांगीण विकास करता है :- कालेज प्रबंधक दीपक राज सिंघल

देवबंद (सहारनपुर)। के एल जनता इंटर कॉलेज देवबंद में शिक्षक दिवस बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। प्रबंध समिति की ओर से सभी शिक्षकों का पारितोषिक देकर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर प्रबंध समिति के प्रबंधक दीपक राज सिंघल ने कहा कि शिक्षक दीए की तरह अपने आप को जलाकर छात्रों का सर्वांगीण विकास करता है। श्री सिंघल ने कहा कि हमारे कॉलेज की जो इमेज है, जो अनुशासन है, जो रिजल्ट है वह सब इन शिक्षकों की मेहनत का ही परिणाम है। उन्होंने प्रबंध समिति की ओर से सभी शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। मुख्य अतिथि पंजाब नेशनल बैंक के मुख्य प्रबंधक अंकुर वर्मा ने पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं भारत माता के चित्र के सामने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अध्यक्षता सेठ कुलदीप कुमार ने एवं संचालन अनुज त्यागी ने किया। इस अवसर पर अनुपम वशिष्ठ एडवोकेट, अमित सिंघल एडवोकेट, राजेंद्र शर्मा, श्रवण सिंघल, देवी दयाल, महेंद्र गिरधर, शिवम सिंघल, शिक्षक संजय धीमान, बलदेव शर्मा, नर्मदा त्यागी, संदीप, आलोक, स्वाति, सुमन, गौरो सहित समस्त कालेज स्टॉफ उपस्थित रहा।

देवबंद में विद्युत निगम बिजली का बिल जमा न करने वालो के खिलाफ हुआ सख्त

बिजली का बिल जमा न करने वाले उपभोक्ता अब रहेंगे अंधेरे में, कटेंगे कनेक्शन

सहारनपुर । देवबंद, देवबंद में विद्युत निगम बिजली का बिल जमा न करने वालो के खिलाफ अब सख्त हो गया है। विद्युत निगम ने बिजली बिल जमा न करने वालो के कनेक्शन काटने का फैसला लिया है। देवबंद में बिजली का बिल जमा न करने वाले उपभोक्ता अंधेरे में रहने के लिए तैयार हो जाएं क्योंकि विद्युत निगम ने स्थानीय अधिकारियों को ऐसे उपभोक्ताओं का डेटा उपलब्ध कराया है। जिन्होंने अभी तक बिल जमा नहीं किए है। विद्युत निगम ऐसे उपभोक्ताओं के अब कनेक्शन काटना शुरु करेगा। विद्युत निगम की ओर से बकाया वसूली के लिए लगातार अभियान भी चला जा रहा है और उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाने के लिए एक मुश्त समाधान योजना से लेकर अलग-अलग स्थानों पर शिविर भी लगाए गए है। लेकिन उसके बावजूद भी उपभोक्ता बकाया जमा करने को तैयार नहीं है। निगम के उपखंड अधिकारी अनिल कुमार चौरसिया ने बताया कि निगम की ओर से ऐसे उपभोक्ताओं का डेटा उपलब्ध कराया गया है जिन पर निगम का बकाया चल रहा है। इन सभी लोगों के कनेक्शन काटे जाएंगे और बकाया जमा न कराने तक इन उपभोक्ताओं के कनेक्शन नहीं जोड़े जाएंगे।

राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने कहा....

युवाओं के कौशल तकनीक और बौद्धिक ज्ञान के उपयोग से भारत विकसित राष्ट्र बनेगा

सहारनपुर, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं मां शाकुम्बरी विश्वविद्यालय सहारनपुर की कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने आज यहां कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प से कोई भी नहीं डिगा सकता है। वह बहुत ही दृढ़ इच्छाशक्ति के प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, कौशल, तकनीक आदि सभी महत्वपूर्ण मदों में कारगर योजनाएं बनाई और जरूरी वित्तीय संसाधन जुटाने का काम किया है। उन्होंने इस विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह में प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को पदक प्रदान किए और उनकी योग्यता और प्रतिभा की भरपूर सराहना की। कहा कि इन्हीं के बूते भारत विकसित राष्ट्र बनेगा। उन्होंने लोगों से कहा कि आप अपनी सोच बदलिए। प्रधानमंत्री ने इस बार के बजट में शिक्षा के लिए 1.48 लाख करोड़ रूपए धनराशि की व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि यदि प्रतिभाशाली छात्रों को सरकारी नौकरियां नहीं मिलती हैं तो ऐसे एक लाख छात्रों के लिए बिना ब्याज के दस लाख रूपए के कर्ज का प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने बहुत सोच-समझकर नई शिक्षा नीति लागू कराई है। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि अगले पांच वर्षों में एक करोड़ छात्र विभिन्न उद्यमों में इंटर्नशिप कर सकेंगे और वे उद्योग उनको अपने यहां जॉब भी देने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि कौशल तकनीक और बुद्धि के उपयोग से आज के युवा और छात्र अपना चमकता हुआ भविष्य बना सकेंगे। उन्होंने कहा कि हाल ही में उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 60 हजार सिपाहियों की भर्ती के लिए परीक्षाएं कराई हैं जिसके लिए 45 लाख प्रार्थना पत्र आए थे। जब एक सिपाही बनने के लिए इतनी मारामारी है तो सरकारी नौकरियों के पीछे भागने का कोई औचित्य नहीं दिखता है। उन्होंने कहा कि प्राचीन भारत में नालंद और तक्षशिला अंतरराष्ट्रीय स्तर के विश्वविद्यालय और ज्ञान का केंद्र थे जिन्हें नष्ट कर दिया गया। इसकी सुध किसी ने नहीं बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ली और उनका पुनर्रोद्धार कराया। अब वहां हजारों छात्र शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं यानि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के लिए विशेष कर रहे हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की कोशिशों से 25 फीसद लोग गरीबी की रेखा से बाहर निकले हैं। सरकारी

योजनाओं से बिचौलियों को हटाया गया है। रोजगार देने के प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन लोगों की शिकायत है और उनके सवाल है कि उनका क्या भला हुआ। ऐसा सोचने से कोई देश विकसित राष्ट्र नहीं बन सकता। उन्होंने सभी वर्गों की छात्राओं के शिक्षा के क्षेत्र में डंगा बजाने और साथी छात्रों से बहुत आगे निकलने की प्रवृत्ति की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि छात्राएं निडर और निर्भीक होकर आगे बढ़े और पढ़े एवं हर क्षेत्र में छा जाएं। यदि उन्हें कोई समस्या आती है तो वे अपने अभिभावकों से कहें, पुलिस के पास जाएं और किसी भी कीमत पर हिम्मत ना हारे। इसी बीच छात्राओं के बीच से एक छात्रा की आवाज आई कि वे अपनी सुरक्षा खुद कर सकती हैं। इस पर राज्यपाल आनंद बेन पटेल थोड़ा चौंकी और कुछ सोचकर ऊंची आवाज में बोलीं उन्होंने विपक्षी दलों का नाम लिए बगैर सवाल किया कि वे कलकत्ता के दुष्कर्म और हत्या के मामले में चुप क्यों रहे। खाली कैंडिल मार्च निकालने से कुछ नहीं होता बतौर कुलाधिपति उन्होंने सहारनपुर यूनिवर्सिटी के दो साल की प्रगति पर संतोष जताया और कुलपति डा. ह्दय शंकर सिंह की सराहना की। मुख्य अतिथि प्रोफेसर श्रीमती पंकज मित्तल, महासचिव भारतीय विश्वविद्यालय संघ ने बहुत ही प्रभावशाली वक्तव्य दिया। उनकी एक-एक बात को सभागार में बैठे लोगों ने ध्यान से सुना। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी बहुत ही प्रतिभाशाली है जो समाधान करना चाहती है, समस्या नहीं खड़ी करती हैं। नई शिक्षा नीति ने पढ़ाने का तरीका बदला है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में अकादमी बैंक आफ क्रेडिट (एबीसी) का प्रावधान है। जिसमें छात्र अलग-अलग यूनिवर्सिटी में अलग-अलग कोर्स कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि जिन छात्रों को आईआईटी में प्रवेश नहीं मिलता है वे भी वहां के शिक्षकों के वही लेक्चर अपने घर पर नि:शुल्क पढ़ सकते हैं क्योंकि वे रिकार्डिट होते हैं और सभी को उपलब्ध होते हैं। श्रीमती पंकज मितल ने कहा कि आज दीक्षांत समारोह भारतीय भाषा और भारतीय वेशभूषा में होते हैं। उन्होंने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली छात्राओं की सफलता का श्रेय उनके अभिभावकों को देते हुए कहा कि उन्होंने इन बच्चियों के पर नहीं कतरे हैं। प्रोफेसर पंकज मित्तल ने कहा कि उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंद बेन पटेल ने बतौर कुलाधिपति यूनिवर्सिटियों को मां की तरह स्नेह दिया है और पिता की तरह अनुशासन में रखा है एवं गुरू की तरह उनका मार्गदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि देश में सात-आठ फीसद महिलाएं ही कुलपति हैं जबकि उत्तर प्रदेश में 30 महिलाएं कुलपति हैं। उन्होंने आज की शिक्षा पद्धति पर कहा कि सवाल वही हैं पर सवालों के उत्तर बदल गए हैं। आज के बच्चे इस सच्चाई से पूरी तरह से वाकिफ हैं। उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री श्रीमती रजनी तिवारी ने भी सहारनपुर यूनिवर्सिटी के पदक पाने वाले उत्कृष्ट छात्र- छात्राओं को बधाई और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। पदक पाए छात्र-छात्राओं के चेहरे खिले हुए थे। सभी ने अलग-अलग समूह में राज्यपाल के साथ फोटो खिंचवाए। कार्यक्रम में राज्यमंत्री जसवंत सैनी, कौशल विकास राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल, नगर विधायक राजीव गुंबर, पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा आदि उपस्थित रहे।

कुक्षी नगर परिषद मे 17 लाख 75 हजार की ट्राली घोटाला उजागर

अधिकारी व सप्लायर की मिलीभगत से नगरपरिषद में चल रहा भ्रष्टाचार का बड़ा खेल

बगैर दर स्वीकृति का हुआ माल सप्लाई

सामग्री आने के पहले अग्रिम भुगतान

कुक्षी – धार जिले की कुक्षी नगर परिषद में हाल ही में भ्रष्टाचार का बड़ा मामला सामने आया है सामग्री सप्लाई को लेकर नियमों को ताक में रखकर अधिकारी और सप्लायर की मिली भगत से नगर परिषद में बड़ा खेल चल रहा है हाल ही में पीआईसी द्वारा तीन ट्राली क्रय किए जाने की प्रस्ताव रखा गया किन्तु जिम्मेदार अधिकारी ने कूटरचित रूप से कागजों में अदला-बदली कर पांच ट्राली क्रय का आदेश निकाला गया वहीं बाजार मूल्य से कहीं अधिक मूल्य पर अपने चेहते विशेष सप्लायर को क्रय आदेश दिया गया एक ट्राली का मूल्य 3 लाख 55 हजार कुल 5 ट्राली का मूल्य 17 लाख 75 हजार में गुपचुप तरीके से खरीदीं गई साथ ही बगैर दर स्वीकृति के क्रय आदेश देना और सामग्री आने से पहले अग्रिम भुगतान करना कहीं न कहीं भ्रष्टाचार की बू दिखाई दे रही है इस कार्यशैली के चलते सत्ताधारी पार्षदों में भारी नाराजगी दिखाई दे रही है नगर परिषद के निर्माण समिति अध्यक्ष श्री संजय सिर्वी ने यहां आरोप लगाते हुए बताया कि खरीदी प्रक्रिया से जो ट्राली नगर परिषद को प्राप्त हुई ना तो उसकी दर स्वीकृत करवाया गया ,सप्लायर द्वारा मनमाफिक राशि लगा दी गयी वो भी जरूरत से अधिक राशि और मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा उसका भुगतान भी कर दिया गया जबकि जो ट्राली प्राप्त हुई है घटिया किस्म की है जो नगर में संचालन योग्य भी नही है । पार्षद संजय सिर्वी ने इसी विषय को लेकर मुख्य नगर परिषद अधिकारी श्री कानूनगो को पत्र देकर पूर्ण जानकारी की मांग की एवं घटिया खरीदी को लेकर अतिशीघ्र उच्च स्तरीय जांच की मांग की।

थाना तलैया पुलिस ने थाना अशोका गार्डन के 307 भादवि मे फरार ईनामी आरोपी को किया गिरफ्तार

तलैया वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुये फरार अपराधियों, चाकूबाजो व अन्य आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही करने निर्देश दिये गये थे, जिनके पालन में थाना प्रभारी तलैया सी.एस.राठौर के मार्गदर्शन में दिनांक 05.09.2024 को इलाका भ्रमण के दौरान जरिये मुखबिर सूचना मिली कि थाना अशोका गार्डन,भोपाल के अपराध क्रमांक-489/2023, धारा 294,323,324, 341,307,506,34 भादवि. फरार आरोपी सरोज उर्फ अली आर्च ब्रिज के पास गिन्नौरी में खडा हुआ है । मुखबिर की सूचना तस्दीक हेतु रवाना होकर मुखबिर द्वारा बताये स्थान पर पहुंचा जहां पर मुखबिर द्वारा बताये हुलिये का लडका खडा दिखा, जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा,जिसे हमराह स्टाफ की मदद से घेराबंदी कर पकडा गया जिससे नाम पता पूछने पर अपना नाम सरोज उर्फ अली पिता मोहम्मद अनीश उम्र 33 वर्ष नि. म.नं.23 हिनौतया काछियान चांदबड थाना स्टेशन बजरिया,भोपाल का होना बताया ।आरोपी सरोज उर्फ अली थाना अशोका गार्डन से धारा 307 भादवि में लगभग एक वर्ष से फरार है, जिसे पकडने में थाना तलैया पुलिस को सफलता प्राप्त हुई । **घटना का विवरण**:-दिनांक 05.09.2024 को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि थाना अशोका गार्डन भोपाल से धारा 307 भादवि. में फरार आरोपी सरोज उर्फ अली आर्च ब्रिज के पास गिन्नौरी में खडा हुआ है ।मुखबिर की सूचना तस्दीक हेतु रवाना होकर मुखबिर द्वारा बताये स्थान पर पहुंचा जहां पर मुखबिर द्वारा बताये हुलिये का लडका खडा दिखा, जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा,जिसे हमराह स्टाफ की मदद से घेराबंदी कर पकडा गया ।

सराहनीय भूमिका-थाना प्रभारी निरीक्षक चतुर्भज राठौर, उनि. मनोज रावत, प्रआर.690 सलमान खांन, प्रआर.1784 मेघ खत्री, प्रआर. 2819 चन्द्रकांत शर्मा, प्रआर.918 चन्द्रभान सिंह , आर.1661 अमित दुबे एवं आर.3455 कमलेश परमार की सराहनीय भूमिका रही ।

कलेक्टर द्वारा उदयपुरिया रंगपुरा रोड के समीप कम्पोजिट मदिरा दुकान के सम्बन्ध में शिकायत प्राप्त होने पर त्वरित कार्यवाही

झाबुआ – कलेक्टर नेहा मीना के समक्ष उपस्थित होकर श्रीमती अर्चना पति गौरव डामोर निवासी वार्ड क्रमांक 16, उदयपुरिया रंगपुरा रोड के द्वारा उदयपुरिया रंगपुरा रोड के समीप कम्पोजिट मदिरा दुकान अन्यत्र स्थान पर परिवर्तित करने एवं झुग्गी झोपड़ीया बनाकर अवैध शराब बिक्री करने वाले एवं जुआ-सट्टा खेलने वालो के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु आवेदन दिया गया था। जिस पर कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार त्वरित कार्यवाही करते हुए आबकारी विभाग द्वारा मय स्टॉफ रंगपुरा रोड़ स्थित कम्पोजिट मदिरा दुकान

झाबुआ क्र.1 पर पहुंचकर पाया गया कि उक्त मदिरा दुकान के आस-पास 100 मीटर की परिधि में शैक्षणिक एवं वैधानिक धार्मिक संस्थान अवस्थित नहीं है एवं उक्त मदिरा दुकान विगत दो वर्षों से इसी स्थान पर संचालित हो रही है। उक्त मदिरा दुकान के आस-पास निवासरत लोगों के घर/दुकान की तलाशी लेने पर म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 36(६) व 36(क्ष) के दो प्रकरण- कालु पिता बाबू भूरिया, निवासी उदयपुरिया उम्र 26 वर्ष एवं बापू पिता रुपसिंह ठाकुर उम्र 36 वर्ष, निवासी उदयपुरिया के विरुद्ध पंजीबद्ध कर 16 कैन बियर व 01 बोतल खुली बरामद कर जप्त की तथा म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 54 के तहत दितु पति सूरसिंह गुण्डिया उम्र 35 वर्ष, निवासी उदयपुरिया के घर खाली तलाशी पंचनामा बनाया गया।

आज का युग ज्ञान का युग, विद्यार्थी लक्ष्य तय कर आगे बढ़े- कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री श्री दिलीप जायसवाल

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक व विद्यार्थी सम्मानित

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनूपपुर, मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने लॉ कॉलेज परिसर शहडोल में शिक्षक दिवस के अवसर पर भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यमंत्री श्री दिलीप जायसवाल ने मां सरस्वती और स्वामी विवेकानंद जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को सम्बोंधित करते हुए कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि आज का युग ज्ञान का युग है, ज्ञान के बिना कुछ भी संभव नही है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को लक्ष्य तय करके उस दिशा में निरंतर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक आदि बनने का सपना होता है, उन सपनों को पूरा करने के लिए विद्यार्थी टाइम टेबल बनाकर सभी विषयों को पढ़े तो निश्चित तौर पर सफलता मिलेगी और विद्यार्थी संकल्प के साथ हर क्षेत्र में आगे बढ़े और माता-पिता, गुरु, विद्यालय, गांव, जिला, प्रदेश, देश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि माता-पिता हमारे लिए सब कुछ करते हैं पहले गुरु माता, दूसरा पिता, तीसरा शिक्षक, चौथा आध्यात्मिक गुरु, पांचवा दर्पण जो हमें वर्तमान की स्थिति से अवगत

कराता है, हमारे जीवन में पांच गुरू अवश्य होते हैं। उन्होंने कहा कि गुरु हमें एक अच्छा इंसान बनाता है गुरु बुराइयों को दूर करके अपने ढांचे में ढालता है, राष्ट्र की प्रगति में शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान होता है, शिक्षक राष्ट्र की नींव रखता है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन के अवसर पर शिक्षक दिवस मनाया जाता है, डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान शिक्षक थे, कई वर्षों तक पढ़ाने का कार्य किया है और देश के लिए समर्पित थे। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि मध्य प्रदेश की धरती सामान्य धरती नहीं है, मध्यप्रदेश के उज्जैन के संदीपनी आश्रम में भगवान श्री कृष्ण भी ज्ञान लेने के लिए आए थे और सबका ज्ञान अर्जित किए। उन्होंने कहा कि शहडोल की विराट नगरी का भी महाभारत काल में धर्म की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित बनाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नई षिक्षा नीति लागू की गई है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि 5 सितम्बर 1888 को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म हुआ था, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान शिक्षक थें, इन्ही को याद करने के लिए, षिक्षक दिवस देष में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति का बचपन गुरूओं के छाया में रहता है, हमें गुरूओ के अनुभवों से सदैव सीख लेना चाहिए। मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल द्वारा लॉ कॉलेज परिसर शहडोल में भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित शिक्षक दिवस के गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों और विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर भारत विकास परिषद शहडोल शाखा के अध्यक्ष श्री सुनील सिंघल, सचिव श्री प्रदीप गुप्ता सहित, शिक्षक विद्यार्थी व अन्य लोग उपस्थित थे।

भारतीय किसान संघ मालवा प्रांत तहसील की मासिक बैठक हुई

कसरावद – विभिन्न मांगों को लेकर एसडीएम कार्यालय में तहसीलदार को ज्ञापन दिया ।संघ अध्यक्ष बाबूलाल तिरोले ने कहा इस साल अधिक बारिश के कारण फसलों का नुकसान हुआ है पूरे क्षेत्र में प्रशासन से सर्वे करा कर मुआवजा राशि दिलाई जाए कपास सोयाबीन मक्का समर्थन मूल्य पर 1 अक्टूबर से चालू हो भारी बरसात का पानी खेतों तक जाने वाले रास्ते खराब हो चुके हैं इन्हें मुख्यमंत्री योजना के तहत बनाया जाए तहसील के ग्राम जावदा से खरगोन हाईवे सड़क से ग्राम पहुंच मार्ग के हालत अत्यंत खराब है इसे प्रधानमंत्री सड़क परियोजना में लिया जाए गेहूं का मूल्य समर्थन 2700 प्रति क्विंटल सोयाबीन का भाव 6000 प्रति क्विंटल कपास का भाव 10000 प्रति क्विंटल की मांग रखी गई। इस अवसर पर भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी, सदस्य उपस्थित थे।

सत प्रतिशत परिणाम देने वाले शिक्षकों का सम्मान

उज्जैन

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेरछा में शिक्षक दिवस मनाया गया बड़े हर्ष उल्लास के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ बेरछा स्कूल में शिक्षक दिवस मनाया गया गोपाल जोशी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अध्यक्षता प्राचार्य जितेंद्र कुमार राणावत विशेष अतिथि जीवन लाल चौधरी के द्वारा की गई सभी कक्षा के बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियां के साथ सभी शिक्षकों का सम्मान किया गया एवं भारतीय स्टेट बैंक के बैंक मैनेजर द्वारा उनको प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए नागदा के आर के गारमेंट के द्वारा स्कूल में चार पंखे प्रदान किए गए एवं शिक्षकों का सम्मान किया गया शत प्रतिशत परिणाम देने वाले शिक्षक जीवन लाल चौधरी नारायण अटोलिया ज्योति राठौड़ प्रियंका चंद्रावत का सम्मान किया गया इस अवसर पर भरत लाल डाबी श्रीमती सरिता कोलन श्रीमती ललिता सोलंकी भारती अरोड़ा श्री कुंवर पडियार मनोहर लाल गुर्जर अनिल जायसवाल नरेंद्र राणावत सुश्री मंजू आदि समस्त स्टाफ उपस्थित रहा ।

फ्रांस की सियासत में दिलचस्प मोड़, मिशेल बार्नियर बने फ्रांस के नए प्रधानमंत्री

इंटरनेशनल डेस्क: फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को पूर्व ब्रेक्सिट वार्ताकार मिशेल बार्नियर को अपना नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया। यह नियुक्ति चुनाव के बाद सरकार बनाने में कई हफ्तों तक बातचीत के बाद हुई। 73 वर्षीय बार्नियर ने 2016 से 2021 तक यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के बीच ब्रेक्सिट वार्ता का नेतृत्व किया था। इससे पहले, वे कई फ्रांसीसी सरकारों में विभिन्न पदों पर रहे थे और यूरोपीय संघ के कमिश्नर भी रहे थे।

मैक्रों ने पिछले कुछ हफ्तों में कई संभावित प्रधानमंत्री उम्मीदवारों पर विचार किया था, लेकिन किसी ने भी स्थिर सरकार का समर्थन हासिल नहीं किया। अब बार्नियर के नेतृत्व वाली सरकार को

संसद से सुधारों को मंजूरी दिलाना मुश्किल हो सकता है। हालांकि, सबसे बड़ी पार्टी में से एक, दूर-दराज़ की नेशनल रैली (ऋह्न) ने संकेत दिया है कि यदि बार्नियर कुछ शर्तें मानते हैं तो वे उनका विरोध तुरंत नहीं करेंगे। बार्नियर यूरोपीय संघ समर्थक और एक मध्यमार्गी राजनेता हैं, लेकिन 2021 में राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपने असफल प्रयास के दौरान उन्होंने आव्रजन पर कड़ा रुख अपनाया, जो RN की राय से मेल खाता है। जून में मैक्रों के अचानक चुनाव कराने का निर्णय उनके खिलाफ गया, और उनकी पार्टी की सीटों में भारी गिरावट आई। कोई भी पार्टी पूर्ण बहुमत नहीं हासिल कर पाई। वामपंथी गठबंधन, न्यू पॉपुलर फ्रंट, चुनाव में पहले स्थान पर आया, लेकिन मैक्रों ने उन्हें सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने से इनकार कर दिया क्योंकि अन्य पार्टियों ने इसे तुरंत गिराने की बात कही थी।

पाकिस्तान और तालिबान के बीच नई जंग

बॉर्डर पर देर रात भारी गोलीबारी कई लोग मरने की आशंका

काबुल। पाकिस्तान और तालिबान बलों के बीच डूरंड लाइन पर भारी गोलीबारी शुरू हो गई है। अफगानिस्तान से मिली रिपोर्ट के अनुसार यह संघर्ष बुधवार शाम करीब 7 बजे खोस्त प्रांत के जाजी मैदान जिले में हुआ और देर रात तक जारी रहा। अफगान तालिबान और पाकिस्तान के बलों के बीच गोलीबारी डूरंड रेखा पर शुरू हुई, जब तालिबान ने सीमा पर सुरक्षा चौकियों का निर्माण करना शुरू किया। दोनों पक्ष भारी हथियारों का इस्तेमाल कर रहे हैं। तालिबान बलों ने तीन दिनों से चौकियों का निर्माण जारी रखा था, जिससे यह झड़प शुरू हुई। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इस गोलीबारी में कई लोगों के मारे जाने की आशंका जताई जा रही है, लेकिन अभी तक विस्तृत जानकारी प्राप्त नहीं हुई है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान को एक काल्पनिक डूरंड रेखा अलग करती है, जिसे अफगानिस्तान की किसी भी सरकार ने वास्तविक सीमा के रूप में मान्यता नहीं दी है। इस वजह से दोनों देशों के बीच हमेशा तनाव रहा है। 2021 में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद से पाकिस्तान को सीमा विवाद से राहत मिलने की उम्मीद थी, लेकिन तालिबान ने सीमा पर चौकियों की स्थापना कर अपने दावे को और मजबूत किया है। पाकिस्तान द्वारा सीमा पर बाड़ लगाने का तालिबान ने विरोध किया है और इसके चलते कई बार झड़पें हुई हैं।

पेरू में दर्दनाक हादसा, नाव पलटने से 6 लोगों की मौत

लीमा: पेरू के पूर्व-मध्य क्षेत्र उकायाली से होकर बहने वाली नदी में नाव पलटने से कम से कम छह लोग डूब गए। स्थानीय अधिकारियों ने बुधवार की सुबह इस घटना में छह लोगों की मौत की पुष्टि की। पोर्ट कैप्टेंसी के प्रमुख जोनाथन नोवोआ के अनुसार सीआर नामक नाव मंगलवार को स्थानीय समयानुसार अपराह्न 2:30 बजे पुकाल्पा बंदरगाह से अटालाया शहर के लिए रवाना हुई थी, लेकिन बुधवार को लगभग 1:30 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पेरू की सरकारी न्यूज एजेंसी एंडिना ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि संभवत: नदी में जलस्तर बढ़ने के कारण नाव किसी वस्तु से टकरा गई। अधिकारियों के अनुसार, नाव में शिक्षकों और नाबालिगों सहित

लगभग 48 लोग सवार थे। इस नाव में 68 यात्रियों को ले जाने की क्षमता थी और इसमें जीवन रक्षक जैकेट जैसी सभी सुरक्षा आवश्यकताएं पूरी की गई थीं। इससे पहले रविवार को उत्तरी पेरू के लोरेटो क्षेत्र में एक नाव के डूबने के कारण एक नाबालिग सहित कम से कम चार लोगों की मौत हो गई थी।

चीन ने अपने बच्चों को विदेशियों को गोद देने पर लगाई रोक

इंटरनेशनल डेस्क: चीन सरकार अब देश के बच्चों को विदेशियों को गोद लेने की अनुमति नहीं दे रही है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि एकमात्र अपवाद किसी बच्चे या सौतेले बच्चे को गोद लेने वाले रक्त संबंधियों के लिए होगा।

उन्होंने निर्णय की व्याख्या नहीं की और सिर्फ इतना कहा कि यह प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय संधियों की भावना के अनुरूप है। दशकों से अनेक विदेशियों ने चीन से बच्चों को गोद लिया है। वे उन्हें लेने के लिए देश का दौरा करते हैं और

फिर उन्हें विदेश में एक नए घर में ले जाते हैं। चीन ने कोविड-19 महामारी के दौरान अंतरराष्ट्रीय दत्तक ग्रहण को निलंबित कर दिया। अमेरिकी विदेश विभाग ने दत्तक ग्रहण संबंधी अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि चीन सरकार ने बाद में उन बच्चों से संबंधित दत्तक ग्रहण फिर शुरू कर दिया, जिन्हें 2020 में निलंबन से पहले यात्रा मंजूरी प्राप्त हुई थी।

विदेश विभाग की रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी वाणिज्य दूतावास ने अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 तक 12 महीनों में चीन से बच्चे गोद लेने के लिए 16 वीजा जारी किए। यह स्पष्ट नहीं है कि तब से कोई और वीजा जारी किया गया है या नहीं।

केंद्र ने छोटे शहरों में 50 से अधिक हवाई अड्डों के विस्तार के लिए पंचवर्षीय योजना का किया ऐलान

नेशनल डेस्क। केंद्र सरकार ने छोटे शहरों में 50 से अधिक हवाई अड्डों के विकास और विस्तार के लिए एक व्यापक पंचवर्षीय योजना का ऐलान किया है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (ए.ए.आई.) की अगुवाई में इस रणनीतिक पहल का उद्देश्य 2030 तक विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। इस योजना का ऐलान ऐसे समय में हुआ है जब देश में घरेलू हवाई यात्रा की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। आंकड़ों का हवाले देते हुए एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2 सितंबर को घरेलू हवाई यातायात 477,554 यात्रियों की संख्या के साथ शिखर पर पहुंच गया है। इस साल की शुरुआत में 21 अप्रैल को यह आंकड़ा 470,751 था।

50 लाख यात्रियों की होगी बिहटा हवाई अड्डे की क्षमता

इस योजना के तहत बिहार के बिहटा हवाई अड्डे का भी विकास किया जाएगा, यह बिहार की राजधानी पटना के लिए द्वितीयक हवाई अड्डे के रूप में काम करेगा। ऐसा माना जा रहा है कि बिहटा हवाई अड्डे का शिलान्यास समारोह 2024 के अंत तक होगा। एक बार चालू होने के बाद बिहटा हवाई अड्डे पर 60 से अधिक चेक-इन काउंटर, 15 से अधिक सेल्फ-चेक-इन कियोस्क होंगे और व्यस्त समय के दौरान 3,000 यात्रियों को संभालने की क्षमता होगी। अगले

दो दशकों में हवाई अड्डे की वार्षिक क्षमता 50 लाख यात्रियों तक होने का अनुमान है।

अंकलेश्वर और द्वारका में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों का निर्माण

पंचवर्षीय योजना में गुजरात के अंकलेश्वर और द्वारका में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों का निर्माण भी शामिल है। प्रबंधन परामर्श फर्म प्राइमस पार्टनर्स की उपाध्यक्ष प्रज्ञा प्रियदर्शिनी के अनुसार नियोजित विकास परियोजनाओं से वर्तमान में कम सेवा वाले या असेवा वाले शहरों से हवाई यात्रा की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। जैसे-जैसे इन क्षेत्रों में नए उद्योग, बुनियादी ढांचे और सेवाएं उभरेंगी, देश और दुनिया के अन्य हिस्सों से कुशल कनेक्टिविटी की आवश्यकता बढ़ती जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक नए हवाई अड्डों के अलावा सरकार कई वायु सेना स्टेशनों पर नए सिविल एन्क्लेव पर विकास कार्य शुरू करने की तैयारी कर रही है। अगले पांच वर्षों के लिए निर्धारित परियोजनाओं में तमिलनाडु में तंजावुर, पश्चिम बंगाल में हासीमारा और लद्दाख में थोईस आदि शामिल हैं। इसके अलावा, मौजूदा हवाई अड्डों को बड़े विमानों के लिए स्थानांतरित करने की तैयारी है। वर्तमान में भारत में अंतरराष्ट्रीय, घरेलू और कस्टम हवाई अड्डों सहित 131 हवाई अड्डे कार्यरत हैं। हवाई यातायात में वृद्धि जारी रहने के कारण भारतीय एयरलाइंस बढ़ती मांग को पूरा करने की तैयारी कर रही हैं। इंडिगो, एयर इंडिया और अकासा एयर जैसी प्रमुख एयरलाइन्स ने दशक के अंत तक 1,600 से अधिक नए विमान पेश करने की योजना बनाई है, जिससे क्षमता और कनेक्टिविटी में और वृद्धि होगी।

अनंत अंबानी ने गणेश चतुर्थी से पहले मुंबई के लालबागचा राजा को पहनाया 20 किलो सोने का मुकुट, कीमत 15 करोड़ रुपये

नेशनल डेस्क। मुंबई के लालबागचा राजा का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा फर्स्ट लुक आज शाम गणेश चतुर्थी से पहले जारी किया गया। मैरून रंग की पोशाक पहने और आभूषणों से सजे बप्पा के दर्शन ने भक्तों को आश्चर्यचकित कर दिया। इस साल के लालबागचा राजा का मुख्य आकर्षण 15 करोड़ रुपये मूल्य का 20 किलोग्राम सोने का मुकुट था, जिसे कथित तौर पर अनंत अंबानी और रिलायंस फाउंडेशन द्वारा दान किया गया था। अनंत अंबानी पिछले 15 वर्षों से विभिन्न पहलों के माध्यम से लालबागचा राजा समिति से जुड़े हुए हैं। उन्हें गणेशोत्सव के दौरान लालबागचा राजा के विभिन्न कार्यक्रमों में भी भाग लेते देखा गया है। इसके अलावा, वह हर साल गिरगांव

चौपाटी बीच पर मूर्ति विसर्जन में शामिल होते हैं। रिलायंस फाउंडेशन के माध्यम से, अंबानी परिवार ने लालबागचा राजा समिति को विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी पहलों में भी सहायता प्रदान की है।

मैक्रों ने आखिर मिशेल बार्नियर को ही क्यों चुना फ्रांस का प्रधानमंत्री

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने आज मिशेल बार्नियर को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया। यह नियुक्ति तब हुई जब जून 2024 के संसदीय चुनावों के बाद कोई पार्टी स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं कर पाई और सरकार बनाने में संकट पैदा हो गया। बार्नियर की राजनीतिक अनुभव और यूरोपीय संघ के साथ उनके मजबूत संबंध उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में एक स्थिर और विश्वसनीय विकल्प बनाते हैं। मिशेल बार्नियर फ्रांस के एक अनुभवी और सम्मानित राजनेता हैं, जो यूरोपीय संघ (श्व) के प्रमुख ब्रेक्सिट वार्ताकार के रूप में खासे चर्चित हुए। उन्होंने 2016 से 2021 तक ब्रेक्सिट के दौरान यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के बीच होने वाली बातचीत का नेतृत्व किया। इसके अलावा, उन्होंने कई महत्वपूर्ण फ्रांसीसी और यूरोपीय राजनीतिक पदों पर काम किया है।

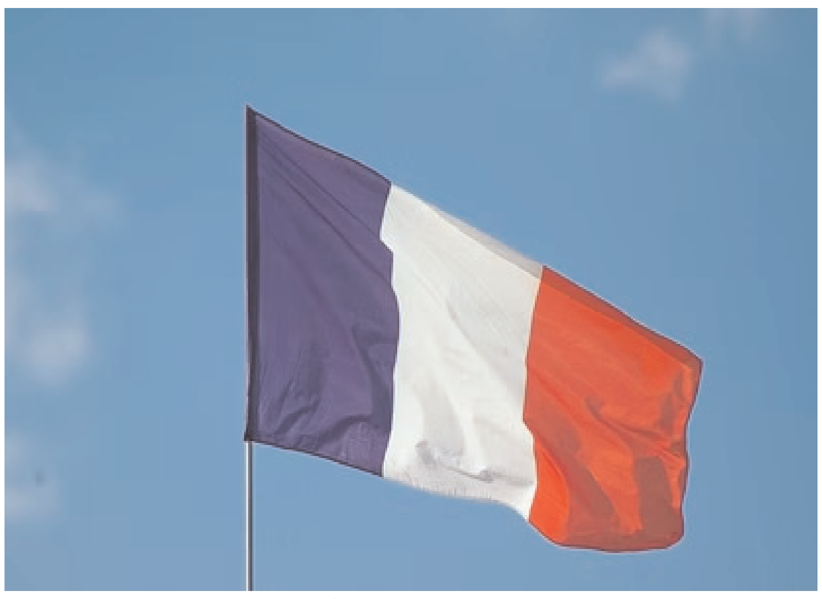

शिक्षा और जनीतिक करियर

जन्म: मिशेल बार्नियर का जन्म 9 जनवरी 1951 को फ्रांस के अल्बर्विल में हुआ। उन्होंने पेरिस के श्वस्ष्टक्क बिजनेस स्कूल से स्नातक किया, जो दुनिया के प्रमुख बिजनेस स्कूलों में से एक है। बार्नियर का राजनीतिक करियर काफी लंबा और विविध रहा है। वह कंजरवेटिव पार्टी (स्न्ह्य त्रुश्वह्वङ्घ्यद्वष्ड्डद्वठ्ठ्य) से जुड़े हैं और फ्रांस और यूरोपीय संघ दोनों स्तरों पर विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं।

फ्रांसीसी सरकार में कार्यकाल

1993-1995: पर्यावरण मंत्री के रूप में काम किया।

1995-1997: यूरोपीय मामलों के मंत्री बने।

2004-2005: फ्रांस के विदेश मंत्री के रूप में कार्य किया।

2009-2010: फ्रांस के कृषि मंत्री बने।

यूरोपीय संघ (श्व) में भूमिकाएं

2010-2014: यूरोपीय संघ के आंतरिक बाजार आयुक्त के रूप में, उन्होंने बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के सुधारों पर काम किया।

2016-2021: यूरोपीय संघ के मुख्य ब्रेक्सिट वार्ताकार रहे, जहां उन्होंने ब्रिटेन के साथ यूरोपीय संघ से बाहर निकलने के लिए बातचीत की। इस भूमिका ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई।

2021 राष्ट्रपति चुनाव की कोशिश

2021 में, बार्नियर ने फ्रांस के राष्ट्रपति चुनावों के लिए कंजरवेटिव पार्टी का टिकट पाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें पार्टी से समर्थन नहीं मिला। इस चुनाव अभियान के दौरान, उन्होंने अपने सामान्य मध्यमार्गी रुख से हटकर आव्रजन जैसे मुद्दों पर सख्त रुख अपनाया, जो फ्रांस की दूर-दराज़ की राजनीति से मेल खाता था। व्यापक राजनीतिक अनुभव व ब्रेक्सिट वार्ता में नेतृत्व मिशेल बार्नियर के पास दशकों का राजनीतिक अनुभव है, जो उन्हें इस भूमिका के लिए उपयुक्त बनाता है। उन्होंने विभिन्न फ्रांसीसी सरकारों में मंत्री के रूप में कार्य किया है और यूरोपीय संघ में भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। उनका राजनीतिक करियर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक है, जो उन्हें एक स्थिर और अनुभवी नेता के रूप में प्रस्तुत करता है। यूरोपीय संघ के ब्रेक्सिट वार्ताकार के रूप में बार्नियर ने यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के बीच जटिल वार्ताओं को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इस अनुभव ने उन्हें एक कुशल वार्ताकार और नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित किया।

मैक्रों के लिए, इस अनुभव का लाभ उठाना महत्वपूर्ण हो सकता है, खासकर फ्रांस और यूरोप के बीच संबंधों को मज़बूत करने के लिए।

संसदीय गतिरोध को सुलझाने की कोशिश

बार्नियर एक मध्यमार्गी और संतुलित नेता माने जाते हैं, जो राजनीतिक ध्रुवीकरण के समय में स्थिरता ला सकते हैं। वे न तो चरम वामपंथी हैं और न ही चरम दक्षिणपंथी, जो उन्हें विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ काम करने में सक्षम बनाता है। मैक्रों, जिनकी खुद की राजनीति भी मध्यमार्गी है, के लिए बार्नियर एक प्राकृतिक सहयोगी हो सकते हैं। 2024 के संसदीय चुनावों में मैक्रों की पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला, जिससे सरकार बनाने में असमर्थता पैदा हुई। बार्नियर का अनुभव और उनकी राजनीतिक कूटनीति संसद में विभिन्न दलों के साथ समझौता करने में मददगार हो सकती है। वे एक स्वीकार्य विकल्प हो सकते हैं, खासकर तब, जब दूसरे संभावित उम्मीदवार पर्याप्त समर्थन जुटाने में विफल हो रहे थे।

विपक्ष के साथ काम करने की क्षमता व यूरोपीय समर्थक दृष्टिकोण

हालाँकि बार्नियर एक कंजरवेटिव नेता हैं, लेकिन उनके पुराने राजनीतिक अनुभव और यूरोपीय संघ में काम करने के कारण उन्हें विपक्ष के साथ काम करने में दक्षता हासिल है। राष्ट्रीय रैली जैसे दूर-दराज़ दलों ने भी यह संकेत दिया कि अगर बार्नियर कुछ शर्तें मानते हैं तो वे उन्हें तुरंत खारिज नहीं करेंगे। इससे यह उम्मीद बनती है कि वह फ्रांस की मौजूदा राजनीतिक अस्थिरता को संभाल सकते हैं। मैक्रों की तरह, बार्नियर भी एक मजबूत यूरोपीय संघ समर्थक नेता हैं। मैक्रों की यूरोपीय संघ के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखने की नीति के तहत, बार्नियर की नियुक्ति इस दिशा में भी एक सही कदम है। ब्रेक्सिट वार्ता के दौरान यूरोप के प्रति बार्नियर की वफादारी स्पष्ट थी, और उनका यूरोपीय अनुभव फ्रांस को यूरोप में एक प्रमुख भूमिका निभाने में मदद कर सकता है।

आव्रजन पर सख्त रुख

हालाँकि बार्नियर सामान्यत: एक उदारवादी नेता रहे हैं, लेकिन उन्होंने 2021 में राष्ट्रपति चुनाव के दौरान आव्रजन पर सख्त रुख अपनाया था। यह रुख उन्हें दूर-दराज़ की पार्टियों, जैसे कि नेशनल रैली के लिए कुछ हद तक स्वीकार्य बनाता है, जो इस मुद्दे पर कड़ा रुख रखते हैं। मैक्रों के लिए यह महत्वपूर्ण हो सकता है, क्योंकि आव्रजन एक प्रमुख मुद्दा है, और RN जैसी पार्टियों का समर्थन पाने में बार्नियर मददगार हो सकते हैं। ऋह्न ने यह संकेत दिया है कि वे चाहते हैं कि संसद जल्द से जल्द भंग हो और नए चुनाव हों। बार्नियर, जो विपक्ष के साथ संवाद करने की क्षमता रखते हैं, इस मामले को संभालने के लिए सही व्यक्ति हो सकते हैं,

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569